

वाइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05

अंक -211

मूल्य: 2.00 ₹.

अलवर, रविवार 12 अक्टूबर, 2025

प्रभात संस्करण

कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com

Twitter.com/Voiceofpratigya

facebook.com/Voiceofpratigya

YouTube.com/Voiceofpratigya

Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya

9414508610

pratigya.alwar@gmail.com

नारी शक्ति के नारों की खोखली सच्चाई

मुत्ताकी की प्रेस कॉन्फे्रंस ने बढ़ाई भारत सरकार की टेंशन! मोदी पर जमकर बरसे राहुल गांधी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ़े्रंस में महिला पत्रकारों को बैन करने का मामला तुल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। इससे पहले कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी पीएम मोदी से तीखा सवाल किया है। हालांकि भारत सरकार ने साफ कहा है कि अफ़ग़ानिस्तान दूतावास में आयोजित इस प्रेस कॉन्फ़े्रंस में भारत के विदेश मंत्रालय का कोई रोल नहीं है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट लिखा, 'मोदी जी, जब आप महिला पत्रकारों को एक सार्वजनिक मंच से बाहर रखते हैं, तो आप भारत की हर महिला से कह रहे हैं कि आप उनके लिए खड़े होने में बहुत कमजोर हैं। हमारे देश में, महिलाओं को हर जगह बराबर हिस्सेदारी का हक है।'



प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी से पूछा सवाल

प्रियंका गांधी ने तालिबान की प्रेस कॉन्फ़े्रंस में महिला पत्रकारों को एंट्री नहीं देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया और अपनी स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह किया। प्रियंका गांधी ने इस घटना को 'भारत की सक्षम महिलाओं का अपमान' भी करार दिया। कांग्रेस महासचिव ने एक्स पोस्ट में कहा कि अगर प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं के अधिकारों को मान्यता देना एक चुनाव से दूसरे चुनाव में सिर्फ दिखावा नहीं है, तो फिर 'हमारे देश की सक्षम महिलाओं का अपमान' कैसे होने दिया गया। वहीं वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दी।

योग्य महिला पत्रकारों का अपमान कैसे होने दिया गया'

प्रियंका गांधी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल के जरिए पीएम मोदी को टैग करते हुए पोस्ट में लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कृपया यह स्पष्ट करें कि तालिबान के प्रतिनिधि की भारत यात्रा के दौरान उनकी प्रेस कॉन्फ़े्रंस से महिला पत्रकारों को हटाने को लेकर आपकी क्या स्थिति है?' उन्होंने आगे लिखा, 'अगर महिलाओं के अधिकारों को लेकर आपकी मान्यता सिर्फ एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सीमित दिखावा नहीं है, तो फिर हमारे देश में, जहां महिलाएं हमारी रीढ़ हैं, हमारी शान हैं, इतनी योग्य महिला पत्रकारों का यह अपमान कैसे होने दिया गया?'

महुआ मोइत्रा ने जारी किया वीडियो

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा, 'मैं यह वीडियो सभी का ध्यान उस भयावह घटना की ओर आकर्षित करने के लिए जारी कर रही हूँ, जो दिल्ली में भारतीय धरती पर हुई है। विदेश मंत्री मुत्ताकी के दौरे पर आए तालिबान प्रतिनिधिमंडल ने हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की है। इसके बाद, तालिबान के विदेश मंत्री ने दिल्ली में भारतीय धरती पर एक प्रेस कॉन्फ़े्रंस की, जहां महिला पत्रकारों को अनुमति नहीं दी गई।'

हमारी कोई भूमिका नहीं: मुत्ताकी की प्रेसवार्ता में महिलाओं को शामिल न किए जाने पर केंद्र, तालिबान की भी सफाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की प्रेस कॉन्फ़े्रंस में महिला पत्रकारों को शामिल न किए जाने के मामले ने तुल पकड़ लिया है। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इसे मुद्दा बनाते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। विपक्षी दलों ने इसे महिलाओं का अपमान बताया है। वहीं अब विपक्ष के इन आरोपों पर सरकार ने बयान जारी किया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अफ़ग़ान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की प्रेस कॉन्फ़े्रंस में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। मंत्रालय ने बताया कि प्रेस कॉन्फ़े्रंस के लिए आमंत्रण मुंबई स्थित अफ़ग़ानिस्तान के महावाणिज्य दूतावास के चुनिंदा पत्रकारों को भेजा गया था, जो मुत्ताकी की यात्रा के दौरान दिल्ली में थे। मंत्रालय ने बताया कि अफ़ग़ान दूतावास का क्षेत्र भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। गौरतलब है कि अफ़ग़ानिस्तान दूतावास में आयोजित मुत्ताकी की प्रेस कॉन्फ़े्रंस में महिलाएं शामिल नहीं हुई थीं। दावा है कि कुछ महिला पत्रकारों को इसमें शामिल होने से रोका भी गया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर



कई पत्रकारों और विपक्षी नेताओं द्वारा इसे लेकर नाराजगी भी जाहिर की गई थी। महिला पत्रकार मामले में मंचे बवाल के बीच तालिबान ने सफाई दी है कि जो कुछ भी हुआ, अनजाने में हुआ। तालिबान सुहेल शाहीन का कहना है, महिलाओं के खिलाफ भेदभाव वाली कोई नीति नहीं है। पास की संख्या सीमित थी, कुछ को मिला, कुछ को नहीं मिला। यह एक तकनीकी मामला था और इसे नीतिगत मुद्दे की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। भविष्य

में इस बात को ध्यान रखा जाएगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और नेता विपक्ष लोकसभा राहुल गांधी ने कहा है कि मोदी जी, जब आप महिला पत्रकारों को सार्वजनिक मंचों से बाहर रखने की अनुमति देते हैं, तो आप भारत की हर महिला को यह बता रहे होते हैं कि आप उनके लिए खड़े होने के लिए बहुत कमजोर हैं। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि भारत देश में महिलाओं को हर क्षेत्र में समान भागीदारी का अधिकार है। इस तरह के भेदभाव के सामने आपकी चुपगी नारी शक्ति पर आपके नारों की खोखलेपन को उजागर करती है। यदि महिला अधिकारों की भाजपा सरकार की स्वीकृति केवल चुनावों के मध्य दिखावा नहीं है तो हमारे देश में जो अपनी महिलाओं को रोद और गर्व मानते हैं, उन्होंने इस अपमान को कैसे स्वीकार किया। अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री आजकल भारत दौरे पर हैं। मुत्ताकी ने शुक्रवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। लंबी बातचीत के बाद उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन किया, लेकिन इसमें महिला पत्रकारों को बाहर रखा। इसे लेकर प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी से सवाल किया कि संवाददाता सम्मेलन से महिला पत्रकारों को क्यों दूर रखा गया।

कोहरे की आड़ लेकर बच नहीं पाओगे...

बॉर्डर पर जैश-लश्कर के आतंकियों की बढ़ी हलचल तो बीएसएफ ने दी साफ चेतावनी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सीमा सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को कहा कि वे पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए पूरे जम्मू सेक्टर के लिए शीतकालीन योजना के साथ पूरी तरह तैयार हैं। बीएसएफ ने आतंकियों को चेतावनी दी कि अगर वे आने वाले महीनों में कोहरे की स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं तो भारत चुप नहीं बैठेगा। बीएसएफ के जम्मू फ़्रंटियर के महानिरीक्षक शशांक आनंद ने कहा कि खुफिया

रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) जैसे आतंकवादी समूह मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारी नुकसान उठाने के बाद फिर से संगठित हो रहे हैं। आईजी शशांक आनंद ने कहा कि सर्दियों में कोहरा हमारी सबसे बड़ी चुनौती है। हमारे जवान पूरी तरह सतर्क हैं। सर्दियों की रणनीति तैयार है और हम सीमा पार से आतंकवादियों की किसी भी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करने के लिए सीमाओं पर सतर्कता बढ़ा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि दुश्मन द्वारा आतंकवादियों को भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कराने की

बार-बार की गई कोशिशें अब तक नाकाम रही हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ अपनी सहयोगी एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क में रहती है और सीमा पार से खुफिया जानकारी साझा करती है। हम दुश्मन को करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आनंद ने आगे कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि भारतीय सेना सीमा पार सभी गतिविधियों पर कड़ी नज़र रख रही है। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि वे ठिकाने बदल रहे हैं और फिर से संगठित हो रहे हैं, और हम कार्रवाई के लिए तैयार हैं। आनंद ने चेतावनी दी

जहरीले कफ सीरप पर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहा रंगनाथन, पूछताछ में दिए गोल-मोल जवाब

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

मध्य प्रदेश में जहरीले कफ सीरप कोल्ट्रिफ से 23 बच्चों की मृत्यु के मामले में निर्माता कंपनी श्रीसन फार्मास्यूटिकल का मालिक जी. रंगनाथन अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहा है। वह बार-बार एक ही रट लगा रहा है कि उसे इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। छिंदवाड़ा पुलिस की एसआइटी ने शनिवार को रंगनाथन से लगभग छह घंटे तक पूछताछ की, जिसमें उसने गोलमोल जवाब दिए। पूछताछ के दौरान एसआइटी ने यह जानने का प्रयास किया कि गड़बड़ी कैसे हुई, गुणवत्ता की जिम्मेदारी किसकी थी और कफ सीरप में औद्योगिक उपयोग वाला प्रोपेलैन्ट ग्लाइकोल क्यों मिलाया गया, जो जानलेवा डीईजी में परिवर्तित हो गया। रंगनाथन ने कहा कि कंपनी में सभी को अलग-अलग कार्य सौंप गए थे और इसलिए उसे यह नहीं पता कि गलती कहाँ हुई। एसआइटी अब कंपनी के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों से भी पूछताछ करने की योजना



बना रही है और इनमें से कुछ को आरोपित भी बनाया जा सकता है। एसआइटी रंगनाथन को रविवार को कांचीपुरम स्थित प्लॉट पर भी ले जाऊंगी। बता दें कि रंगनाथन को चेन्नई से गिरफ्तार कर ट्रिजिट रिमांड पर परासिया धाने लाया गया था, जहां उसके खिलाफ पांच अक्टूबर को एफआइआर दर्ज की गई थी। इस बीच, रंगनाथन की पैरवी के लिए चेन्नई से दो वकील भी छिंदवाड़ा पहुंचे हैं।

जयपुर और सीकर में आठ लोगों की आत्महत्या से हड़कंप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर/सीकर

राजस्थान के दो बड़े शहरों में शनिवार को सामूहिक आत्महत्याओं के मामले सामने आए हैं। सीकर में एक ही परिवार के पांच लोगों ने और जयपुर में एक परिवार के तीन लोगों ने आत्महत्या कर ली। राजधानी जयपुर के करणी विहार धाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने सामूहिक आत्महत्या कर ली। मृतकों में पिता, माता और बेटा शामिल हैं। पुलिस को मौके से अंग्रेजी में लिखा गया सुसाइड नोट मिला है, जिसमें एक परिचित पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया गया है। घटना का पता तब चला जब सुबह करीब 8 बजे तक फ्लैट का दरवाजा नहीं खुला। मकान मालिक रामगोपाल शर्मा को शक हुआ, क्योंकि परिवार के मुखिया रूपेन्द्र शर्मा रोज सुबह 5 बजे उठ जाते थे। जब कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। करणी विहार धाना पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। अंदर का नजारा भयावह था। तीनों शव अलग-



अलग स्थानों पर पड़े मिले। घर के मुख्य दरवाजे के पास बेटे पुलकित शर्मा (32) का शव मिला। हॉल में पिता रूपेन्द्र शर्मा (63) का शव पड़ा था और कमरे में मां सुशीला शर्मा (58) मृत पाई गई। पुलिस ने आशंका जताई है कि तीनों ने विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या की है। मौके से किसी अन्य सिद्धि वस्तु की बरामदगी नहीं हुई है। धाना प्रभारी (फ़्टड) हवा सिंह ने बताया कि कमरे में एक टेबल पर अंग्रेजी में लिखा गया सुसाइड नोट मिला है, जिसमें एक परिचित व्यक्ति पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया गया है। सुसाइड नोट के आधार पर परिजनों ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ FIR दर्ज करवाई है। वहीं, सीकर में एक ही परिवार के पांच लोगों ने जहर खाकर जान दे दी। मृतकों में मां किरण देवी और उनके चार बच्चे- तीन बेटे सुमित, आयुष, अवनीश और बेटी स्नेहा शामिल हैं। सभी ने फ्लैट में जहरीला पदार्थ खाकर जान दी। मौके से जहर के 10 पैकेट मिले हैं, इनमें से 8 का इस्तेमाल किया गया था। जानकारी के अनुसार, पति से अनबन के चलते महिला किरण अपने बच्चों के साथ पालवास रोड स्थित अनिरुद्ध रेजिडेंसी में रह रही थीं। 5 लोगों के

सुसाइड की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुटी है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चला है। पुलिस के अनुसार, इन लोगों ने आत्महत्या कुछ दिन पहले ही कर ली थी। शव बुरी तरह से सड़ चुके हैं। फ्लैट से दुर्गंध आने पर बिल्डिंग में रहने वाले दूसरे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। स्थिति इतनी गंभीर थी कि अंदर घुसने में भी कठिनाई हो रही थी। दुर्घटना को कम करने के लिए अगरबत्ती और इन का उपयोग किया गया, इसके बाद पुलिस टीम अंदर आ पाई। जानकारी के अनुसार, किरण उर्फ पिंकी चौधरी का पहले पति से 2019 में तलाक हो गया था। पहले पति से किरण को 2 बच्चे थे। दूसरे पति से भी 2 बच्चे थे। 2 बच्चों की पहचान सुमित और स्नेहा रूप हुई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ में जुटी है। सीओ धोद सुरेश शर्मा ने बताया कि फ्लैट काफी दिनों से बंद था और उससे दुर्गंध आ रही थी। बिल्डिंग में रहने वाले अन्य लोगों ने इसकी सूचना दी। इसके बाद आज गेट खोला गया, तो अंदर 5 लोगों के शव मिले, जो बुरी तरह सड़ चुके थे और काले पड़ गए थे। फ्लैट पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से बंद था।

खेत में काम करते समय युवक हुआ अचेत, अस्पताल में चिकित्सकों ने किया मृत घोषित

हार्ट अटैक से मौत की आशंका, गांव में छाया मातम

वाँइस ऑफ़ प्रतिज्ञा अलवर

राजगढ़ थाना क्षेत्र के श्रीचंदपुरा गांव में शनिवार सुबह खेत में काम करते समय एक युवक की अचानक तबीयत बिगड़ गई। देखते ही देखते युवक अचेत होकर गिर पड़ा। परिजन और ग्रामीण उसे तत्काल राजगढ़ के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान किरण (30) पुत्र रणजीत सैन निवासी श्रीचंदपुरा के रूप में हुई है। वह खेती-किसानी का कार्य करता था और शनिवार सुबह लगभग आठ बजे खेत में कड़वी की फसल एकत्र कर रहा था। इसी दौरान उसकी तबीयत अचानक खराब हो गई और वह गिर पड़ा। अस्पताल में चिकित्सकों ने प्रारंभिक जांच के बाद युवक की मौत हार्ट अटैक से होने की संभावना जताई है। सूचना मिलते ही एएसआई श्रीराम मीणा पुलिस दल के साथ अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि मौत के संदेह कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है, हालांकि प्रथम दृष्टया यह मामला हृदयाघात का प्रतीत होता है। परिजनों ने राजगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी है, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

14 अक्टूबर से जयपुर में पंचायत शिक्षकों व विद्यालय सहायकों का आंदोलन

वाँइस ऑफ़ प्रतिज्ञा थानागाजी

राजस्थान पंचायत शिक्षक एवं विद्यालय सहायक संघ ने 14 अक्टूबर से जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर आंदोलन और धरना प्रदर्शन करने की घोषणा की है। संघ का कहना है कि सरकार बार-बार आश्वासन देती रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ रही है। संघ के थानागाजी अध्यक्ष मुकेश कुमार गुर्जर ने बताया कि आंदोलन में प्रदेशभर के लगभग 23,749 पंचायत शिक्षक, विद्यालय सहायक और सविदा कार्मिक भाग लेंगे। अलवर जिले के सभी ब्लॉकों सहित थानागाजी क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में कार्मिक जयपुर के लिए रवाना होंगे। यह आंदोलन पूरी तरह प्रदेश स्तरीय होगा। संघ के मीडिया प्रभारी सत्यनारायण पारीक ने बताया कि आंदोलन का उद्देश्य सरकार का ध्यान लंबित मांगों की ओर आकर्षित करना है। प्रमुख मांगों में आईएसएस पेटर्न में घोषित दो वर्ष की सेवा छूट के आदेश तुरंत जारी करना और पंचायत शिक्षक, विद्यालय सहायकों तथा सविदा कार्मिकों का नियमितीकरण शामिल है। संघ पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार समय रहते सरकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा और जयपुर में "काली दिवाली" मनाई जाएगी। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा, लेकिन मांगों की अनदेखी होने पर इसका स्वरूप व्यापक हो सकता है। संघ ने सभी पंचायत शिक्षकों, विद्यालय सहायकों और सविदा कार्मिकों से 14 अक्टूबर को अधिक से अधिक संख्या में शहीद स्मारक पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

5 दिन में दो आदेश, फिर भी कटूमर प्रधान की आईडी शुरू नहीं- 3 करोड़ के विकास कार्य अटके

वाँइस ऑफ़ प्रतिज्ञा कटूमर

कटूमर में प्रधान पद का राजनीतिक दंगल खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है । 20 अगस्त को सरकार की ओर से कटूमर की निलंबित प्रधान संगम चौधरी को वापस पद पर बहाल कर दिया गया था । इसके बाद जिला परिषद सीईओ सालुखे गौरव रविंद्र ने अगले ही दिन सरकार से बहाली पर मार्गदर्शन मांगा तो फिर 25 अगस्त को सरकार ने सीईओ को उत्तर देकर प्रधान के बहाल होने के निर्देश जारी किए लेकिन करीब डेढ़ महीना बीत जाने के बाद भी जिला परिषद की ओर से सरकार से मिले मार्गदर्शन पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की, ना ही प्रधान की आईडी को शुरू किया। इसके बाद पंचायत समिति में 15 वे वित्त आयोग के करीब 3 करोड़ रुपए के विकास कार्यअटक गए । उल्लेखनीय है कि बीते 1 साल से पंचायत समिति कटूमर की साधारण सभा की बैठक प्रधान के निलंबन के चलते नहीं हो पाई । उसी के कारण अब तक विकास कार्यों का अनुमोदन नहीं हो पाया। विकास कार्यों के अनुमोदन के लिए साधारण सभा का होना जरूरी है लेकिन प्रधान के बार-बार निलंबन होने के चलते अब तक केंद्र सरकार की राशि का सदुपयोग नहीं हो पाया । अब राशि लैप्स होने के कगार पर है । वहीं कुछ पंचायत समिति सदस्य भी कार्यकाल खत्म होने में 10 महीने बचने की बात कह कर विकास काम नहीं होने से परेशान है । कुछ तो इस्तीफा देने तक की धमकी दे रहे हैं । जिला परिषद की ओर से इस मामले को डेढ़ महीने से आईडी रोकने पर प्रधान संगम चौधरी ने कड़ी आपत्ति जताई है। गौरतलब कि कटूमर प्रधान संगम चौधरी अपने 4 साल के कार्यकाल में तीन बार निलंबित और तीन बार बहाल हो चुकी है । इस बार बहाल होने के बाद भी अब तक उनकी आईडी शुरू नहीं होने के कारण पंचायत समिति के भुगतान के कार्य अटके हुए हैं।

ढाबे पर झगड़े में युवक की हत्या, आईजी बोले—धार्मिक नारेबाजी जैसा कोई तथ्य नहीं, खाने के पैसे को लेकर हुआ था विवाद

वाँइस ऑफ़ प्रतिज्ञा अलवर

बख्तल चौकी क्षेत्र में शुक्रवार रात हुए झगड़े में 25 वर्षीय युवक करण मल्होत्रा की मौत के बाद शनिवार को अलवर शहर में तनाव का माहौल बन गया। घटना से आक्रोशित परिजनों और हिंदू संगठनों ने सामान्य अस्पताल परिसर में धरना देकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया। धरने के दौरान पुलिस प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपी मुनफेद के बख्तल चौकी स्थित रेहान होटल (ढाबा) के बाहर किए गए अरखाई अतिक्रमण को बुलडोजर से हटवा दिया। प्रशासन के कार्रवाई के आश्वासन के बाद दोपहर करीब 1.45 बजे धरना समाप्त हुआ। घटना की गंभीरता को देखते हुए जयपुर रेंज के आईजी राहुल प्रकाश शाम चार बजे अलवर पहुंचे और मौके का मुआयना किया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि झगड़ा धार्मिक नहीं बल्कि ढाबे पर खाने के पैसे को लेकर हुआ था। उन्होंने कहा, "घटना के दौरान धार्मिक नारेबाजी जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी, जिसमें एक पक्ष के युवक करण को सिर में गंभीर चोट लगी, जिससे उसकी मौत हो गई।" आईजी ने कहा कि पुलिस निष्पक्ष जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि झगड़े में शामिल दोनों पक्षों के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि हत्या के मुख्य आरोपी मुनफेद पुत्र इशाक खान निवासी कमला कॉलोनी बख्तल की चौकी और अजरूदीन पुत्र अशरफ खान निवासी बड़ी मरिजद के पास बख्तल की चौकी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुनफेद ढाबा संचालक के बहिष्कृत अजरूदीन उसकी दुकान का मालिक है, जिसने रूस से एमबीबीएस की पढ़ाई की है और फिलहाल प्राइवेट प्रैक्टिस करता है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं। घटना के बाद सामान्य अस्पताल में मृतक के परिजनों के साथ बजरंग दल और विहिप के कार्यकर्ता भी पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। धरना स्थल पर रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहुजा और कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्र पहुंचे। इन्होंने एसपी मुख्यालय कांबले शरण गोपीनाथ और एडीएम सिटी बीना महावर को आठ सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए 72 घंटे में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। समय पर कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी गई। पुलिस प्रशासन पूरे मामले की निगरानी कर रहा है और शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

अलावड़ा में पेयजल संकट गहराया: करोड़ों खर्च के बावजूद सूख नलों में एक बूंद पानी नहीं, जल जीवन मिशन बना दिखावा

वाँइस ऑफ़ प्रतिज्ञा रामगढ़

जल जीवन मिशन पर सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च कर ग्रामीण इलाकों में पेयजल व्यवस्था सुधारने के दावे तो खूब किए, लेकिन हकीकत में हालात इससे बिल्कुल उलट हैं। रामगढ़ उपखण्ड के अलावड़ा कस्बे में पिछले एक महीने से लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। करोड़ों की योजना के बावजूद गांव के अधिकांश मोहल्लों में नलों से पानी नहीं आ रहा। टैंकियों और बोरिंगों पर ताले जड़े हैं, जबकि विभाग और जनप्रतिनिधि दोनों ही मौन हैं।

ग्रामीणों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन और विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई। उनका कहना है कि पेयजल संकट अब असहनीय हो चुका है, लेकिन विभागीय अधिकारी केवल आश्वासन देकर पल्ला झाड़ लेते हैं। दो साल पहले जल जीवन मिशन के तहत चार नए बोरिंग, टंकी, पाइपलाइन और बूस्टर लगाकर करोड़ों की परियोजना का उद्घाटन किया गया था। इससे पहले भी एक टंकी और तीन बोरिंग चालू स्थिति में थे। लेकिन आज न बोरिंग काम कर रहे हैं और न टैंकियों में पानी है।

ग्रामीणों ने बताया कि विभाग की लापरवाही का आलम यह है कि पूरे कस्बे के लिए सिर्फ एक कर्मचारी लगाया गया है, जो 24 घंटे सेवा देने में सक्षम नहीं। मजबूरी में ग्राम पंचायत सरपंच जुम्मा खान को अपने निजी खर्च से एक अतिरिक्त कर्मचारी रखना पड़ा, ताकि

अलवर में चक्की पर फायरिंग से फैली सनसनी, दो बाइक सवार युवकों ने बरसाईं गोलियां

वाँइस ऑफ़ प्रतिज्ञा अलवर

अरावली विहार थाना क्षेत्र के भूरा सिद्ध के पास शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया जब दो अज्ञात युवक बाइक पर सवार होकर आए और एक आटा चक्की पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। घटना की जानकारी मिलते ही एडिशनल एसपी शरण कांबले

गोपीनाथ, सीओ सिटी अंगद शर्मा और थाना प्रभारी रामेश्वर लाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। एडिशनल एसपी शरण कांबले गोपीनाथ ने बताया कि फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई थी। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि घटना



किसी आपसी रीज या पुराने विवाद से जुड़ी हो सकती है। फिलहाल आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन पुलिस ने पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी कर दी है और हमलावरों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा। फायरिंग की यह वारदात शहर में सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही है, वहीं स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

थानागाजी पीएमश्री विद्यालय में राज्य स्तर के खिलाड़ियों का सम्मान



वाँइस ऑफ़ प्रतिज्ञा थानागाजी

पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय थानागाजी में 69वीं क्रीड़ा प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर पर भाग लेने वाले 22 खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। प्रधानाचार्य और नोडल अधिकारियों मूलचंद्र मीना ने बताया कि पीएमश्री विद्यालय की वरिष्ठ शारीरिक शिक्षिका सविता मीणा के अथक प्रयासों से 19 वर्षीय छात्र वर्ग, 19 वर्षीय छात्रा वर्ग और 14 वर्षीय छात्रा वर्ग ने नेटबाल व साइक्लिंग प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इन खिलाड़ियों में से 22 ने राज्य स्तर पर जाकर

अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सम्मान समारोह में सभी खिलाड़ियों को माला पहनाकर और तिलक लगाकर विद्यालय परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। व्याख्याता लेखराज ने 1,100 रुपये नगद पुरस्कार के रूप में भेंट किए। प्रधानाचार्य मूलचंद मीना ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उप प्राचार्या कृष्णा कुमारी, शशि प्रभा, सविता मीणा, रेखा जैन, पूनम कुमारी मीणा, अशोक कुमार, व्याख्याता ओम प्रकाश शर्मा, सतीश चंद, बृजमोहन, पवन कुमार, लेखराज, मातादीन शर्मा, भोजराज सैनी, जगदीश गुर्जर और परमानंद सैनी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

आज आधे शहर में 5 घंटे तक बिजली रहेगी बंद

वाँइस ऑफ़ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर शहर के कई इलाकों में आज सुबह से पांच घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत निगम ने जानकारी दी कि आवश्यक रखरखाव कार्यों के चलते रविवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक शहर के आधे हिस्से में बिजली कटौती की जाएगी। वहीं कुछ क्षेत्रों में यह कटौती शाम तक जारी रहेगी।बिजली विभाग के अनुसार, सुबह 8 से दोपहर 1 बजे तक जिन क्षेत्रों में बिजली बंद रहेगी उनमें भूगौर गांव, कटौ घाटी, बुर्जा, केसरपुर, रूपबास, गायत्री मंदिर रोड, भेरू का चबूतरा, पुलिस लाइन, तंवर कॉलोनी, राजाजी का बास, ठाकर वाला कुआं, मनु मार्ग, मन्नी का बड़, छतरी स्क्वॉर के पास, ईरगाह, चेतन एनक्लेव, न्यू फ्रेंड्स नगर, जयंती फार्म हाउस, नई बस्ती ढाई पैड़ी, लिंवारी, कंगाल हाथा जयपुर रोड, पल दो पल, पुराना कलेक्ट्रेट परिसर, गुर्जर पाड़ी,

कचहरी रोड, सागर ऊपर, बाला किला, जनाना महल, त्रिपोलिया, बजाजा बाजार, मालाखेड़ा बाजार, अशोका टॉकीज, अग्रसेन मार्केट, लादिया मोहल्ला, जोहड़ा, रामनगर, 60 फीट रोड, दयानगर, भूदर कॉलोनी, सिद्धार्थ विहार, आजाद नगर, कृष्णा कॉलोनी, मूर्ति मोहल्ला, दाउदपुर फाटक, सुभाष नगर, गुल्शनक कॉलोनी, रेलवे कॉलोनी, आनंद विहार, कृषि उपज मंडी, लोह मंडी, जिनंद, जेके नगर, शांति नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, प्रीत विहार, किटोड़ा, शिव कॉलोनी, तूलेड़ा रोड, बोहरा कॉलोनी, लोहारवाड़ी गांव, सूरत नगर, चांदुकी, पुराना औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली रोड, कैपसूल फैक्ट्री, नंगली सर्किल, अल्कापुरी, काली मोरी, बैंक कॉलोनी, कलेक्टर निवास, मधुवन, मोती डुंगरी, शांतिकुंड, मालवीय नगर, एसएसडी स्कूल, मोर इंस्टीट्यूट व आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, माधोगढ़, अकबरपुर व उमरेण फीछों से जुड़े क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति बंद रहेगी।

अलवर में पेयजल संकट गहराया: करोड़ों खर्च के बावजूद सूख नलों में एक बूंद पानी नहीं, जल जीवन मिशन बना दिखावा



लोगों को थोड़ा राहत मिल सके। लेकिन विभाग की नाकामी के चलते वह प्रयास भी बेअसर साबित हो रहा है। मोटर खराब होने या पाइपलाइन फटने पर विभाग जिम्मेदारी ठेकेदार पर डाल देता है, मगर ठेकेदार महीनों तक कोई सुध नहीं लेता। इसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। एक महीने पहले गुरुद्वारे के पास पाइपलाइन लौक होने के बाद विभाग ने 20 दिनों तक मरम्मत नहीं की। कई शिकायतें 181 पोर्टल

पर दर्ज कराने के बाद कहीं जाकर नई लाइन डाली गई, लेकिन अब भी ऊंचाई वाले इलाकों में पानी नहीं पहुंच रहा। लोगों को मजबूरन निजी टैंकरों से पानी खरीदना पड़ रहा है। आज जब विधायक सुखवंत सिंह कस्बे के पीएम श्री विद्यालय में 'प्रबल' कार्यक्रम के उद्घाटन पर पहुंचे, तो ग्रामीणों ने मौके का फायदा उठाकर उन्हें अपनी समस्या बताने की कोशिश की। भवानी कालरा, सत्येन्द्र जैन, किसन गेरा, वेदाशु रावल, कंवरभान, डॉ. हरबंस सिंह, सबजोत सिंह सहित कई लोगों ने विधायक को पेयजल संकट से अवगत कराया और तत्काल समाधान की मांग की। लेकिन जब पेयजल संकट से परेशान महिलाएं अपनी समस्या लेकर विद्यालय पहुंचीं, तब तक विधायक वहां से जा चुके थे। इससे नाराज महिलाओं ने कहा कि जब जनप्रतिनिधि ही जनता की तकलीफ सुनने को तैयार नहीं, तो योजनाओं का क्या फायदा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभाग और ठेकेदारों की मिलीभगत से जल जीवन मिशन के नाम पर केवल कागजों में विकास दिखाया जा रहा है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद पेयजल संकट जस का तस बना हुआ है। भाजपा कार्यकर्ता शशिकांत शर्मा ने बताया कि विधायक ने सहायक अभियंता सियाराम गुर्जर से बात कर समस्या समाधान का आश्वासन दिलाया है। मगर ग्रामीणों का कहना है कि जब तक जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक यह "जल जीवन मिशन" केवल कागजी योजना बनकर रह जाएगा।

रुपयों के विवाद में युवक की हत्या, ढाबा संचालक सहित दो आरोपी गिरफ्तार

वाँइस ऑफ़ प्रतिज्ञा अलवर

उद्योग नगर थाना क्षेत्र में रुपए के लेन-देन के विवाद में हुई मारपीट की घटना के बाद घायल युवक की मौत हो गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ढाबा संचालक सहित दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि 9 अक्टूबर की रात बख्तल की चौकी क्षेत्र में युवक करण मल्होत्रा पर हमला हुआ था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि घटना की जड़ रुपए के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में थी। परिवारि चिंद्र मल्होत्रा और ढाबा संचालक मुनफेद मेव के बीच पैसे के विवाद के चलते झगड़ा हुआ था, जो बाद में हिंसक रूप ले लिया। पुलिस के अनुसार, घटना की रात मुनफेद मेव पुत्र ईशाक (38) निवासी देसुला और उसके साथी अजरूदीन मेव पुत्र अशरफ खान (37) निवासी बख्तल की चौकी ने लाठी, फरसी और लोहे की रॉड से चिंद्र व उसके भाई करण मल्होत्रा पर हमला कर दिया था। हमले में गंभीर रूप से घायल करण को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। थानाधिकारी मोहन सिंह के नेतृत्व में



गठित टीम ने घटना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अब मामले में हत्या की धाराएं जोड़ दी हैं। अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं और उनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अलवर में दीपावली पर शुद्ध आहार मिलावट अभियान



वाँइस ऑफ़ प्रतिज्ञा अलवर

दीपावली के अवसर पर जिले में शुद्ध आहार मिलावट पर विशेष अभियान चलाया गया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण जयपुर डॉ. टी. शुभमंगला और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अलवर डॉ. योगेंद्र शर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने ग्राम डाढ़ा, खेड़ली सेयद स्थित खालिद स्वीट्स मिठाई निर्माण इकाई का निरीक्षण किया। जांच में पता चला कि मिठाइयां क्रीम निकले दूध में तेल मिलाकर बनाई जा रही थीं। इसके चलते 200 किलो कलाकंद और 90 किलो मिश्री मावा मौके पर नष्ट कर दिए गए। साथ ही, 350 लीटर दूधित पत्र नहीं था, इसलिए भट्ठी को सील कर

दिया गया। बगड़ तिराया अलवर स्थित किराना दुकान आर. के. कोल्हड़ झिंकस का निरीक्षण भी किया गया। 20 किलो लाल मिर्च पाउडर जप्त किया गया। 1050 किलो गेहूं के आटे, 10 किलो अखरोट और 5 किलो काजू, जैकमैं कोड़े लगे थे, नष्ट कराए गए। ब्रेड टोस्टर के 132 पैकेट भी हटवा कर नष्ट किए गए। दुकान पर साफ-सफाई ठीक न होने पर FSSAI की धारा 32 के तहत इंफ्रामेंट नोटिस जारी किया गया। आमजन से अपील की गई है कि वे ताजा और सुरक्षित खाद्य पदार्थ ही खरीदें और मिलावट की सूचना तुरंत सीएमएचओ अलवर में दें। अभियान 6 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक जारी रहेगा। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी केशव गोयल, अशोक लखौरा, जय सिंह यादव और विश्वबंधु गुप्ता उपस्थित रहे।

कॉमर्स कॉलेज को मिली यूजीसी सेक्शन 2 (एफ) की मान्यता

वाँइस ऑफ़ प्रतिज्ञा अलवर

कॉमर्स कॉलेज, अलवर को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने अर्थनियम 1956 के सेक्शन 2 (एफ) के तहत मान्यता प्रदान की है। प्राचार्य प्रो. सत्य मान यादव ने बताया कि इस मान्यता के बाद कॉलेज को यूजीसी से विकास कार्यों और अकादमिक गतिविधियों के लिए अनुदान राशि प्राप्त करने का मार्ग खुल गया है। कॉलेज की स्थापना वर्ष 2014 में हुई थी, लेकिन तब इसे यूजीसी की सेक्शन 2 (एफ) और

12 (बी) सूची में शामिल नहीं किया गया था। पिछले एक वर्ष से कॉलेज प्रशासन लगातार मान्यता के लिए प्रयासरत था, जिसका परिणाम अब सफलता के रूप में मिला है। प्राचार्य ने बताया कि कॉलेज को अभी 12 (बी) सूची में शामिल किया जाना बाकी है, क्योंकि संबद्ध मत्स्य विश्वविद्यालय को अभी यूजीसी की 12 (बी) सूची में स्थान नहीं मिला है। जब विश्वविद्यालय को यह सूचीबद्धता प्राप्त होगी, तब कॉलेज को भी 12 (बी) में शामिल करने की प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी।

VIJAY HOSPITAL

Meet Our Expert

General Physician

for

- ◆ Diabetes ◆ Hypertension ◆ Heart Attack
- ◆ Dengue ◆ Malaria ◆ Typhoid
- ◆ High Cholesterol ◆ Liver Disease

Specialist In:

**Diabetes, Hypertension
And Heart Disease**

Dr. Narendra

MBBS, MD (Medicine)

जनरल फिजिशियन

Timing:

6 pm to 8 pm (Everyday)

Plot No. B-160, Bhagat Singh Colony, Bhiwadi

M.: 8529879031 | Ph.: 01493-796907



दवाओं की गुणवत्ता से समझौता

हालाकि गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना ऐसी किफायती दवाएं और घातक हो सकती हैं, क्योंकि जिस तबके को राहत देने के लिए ये दवाएं बनाई जाती हैं, उनके लिए ही आफत बन जाती हैं। कफ सीरप से बच्चों की मौतें इस कड़वी सच्चाई को ही उजागर करती हैं कि भारत में सस्ती दवाएं तो उपलब्ध हुई हैं, पर उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। अक्सर यह सवाल उठता है कि जब जेनेरिक दवाओं में ब्रांडेड या पेटेंट दवाओं जैसे तत्व ही होते हैं तो कई बार वे अनुपयोगी क्यों साबित हो जाती हैं? इसका जवाब दवा निर्माण की प्रक्रिया से जुड़ा है। दवा में मूलभूत तत्व या एपीआइ उसका केवल एक हिस्सा होता है। बाकी फार्मूलेशन में फिलर्स, बाइंडर्स और कोटिंग जैसे पहलू भी होते हैं। ये निर्धारित करते हैं कि दवा कितनी जल्दी घुलती है और शरीर उनकी कितनी मात्रा अवशोषित करता है। इन पहलुओं में थोड़ा सा भी परिवर्तन दवा की प्रकृति एवं प्रभाव पर असर डाल सकता है।



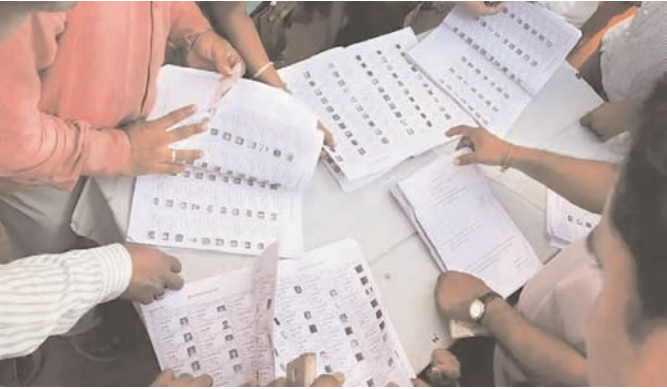
तमिलनाडु के श्रीपेरंबुर के बाहरी इलाके में एक छोटे दवा कारखाने के दरवाजे अब बंद हैं। श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स नाम की इस कंपनी को लेकर तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने पाया कि उसने ड्रग्स और कास्मेटिक्स अधिनियम के तहत 364 उल्लंघन किए। यहां बना कफ सीरप कोल्ट्रिफ मध्य प्रदेश और राजस्थान में 25 बच्चों की जिंदगी लीत गया। इस सीरप में डाइथिलीन ग्लाइकोल जैसा विषैला तत्व मिला। यह किडनी और लिवर को क्षति पहुंचाता है। निर्माण के अलावा कंपनी के स्तर पर और भी लापरवाही बरती गई। जैसे पैकिंग पर अनिवार्य चेतावनी नहीं दी गई कि चार साल से कम उम्र के बच्चों को इसका सेवन न करने दिया जाए। यह कोई पहली और अलग घटना नहीं है। गाबिया और उज्जैकिस्तान से लेकर मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा तक एक ही कहानी सामने आती है। इस कहानी में छोटे स्तर पर उत्पादन करने वाले नियमों को धता बताते हैं, निगरानी कमजोर और मामला बिगड़ने पर प्रतिक्रिया धीमी होती है। यह मामला दर्शाता है कि भारत की विकेद्रीकृत और अक्षम दवा नियामक प्रणाली खतरनाक रूप से पुरानी पड़ चुकी है। ऐसे मामले 'बुनिया की फार्मसी' के रूप में पहचान बनाने वाले भारत की प्रतिष्ठा भी धूमिल करते हैं। करीब 200 से अधिक देशों को किफायती दवाएं उपलब्ध कराकर भारत वैश्विक जेनेरिक दवा बाजार का अग्रणी खिलाड़ी है। पीएम जन औषधि योजना की सफलता में जेनेरिक दवाओं की अहम भूमिका है। इसके तहत 5,600 करोड़ रुपये की दवाएं बेची गई हैं। पिछले एक दशक के दौरान इस योजना से लोगों को करीब 30,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है। जेनेरिक दवाएं बड़ी आवश्यकता हैं। हालांकि गुणवत्ता सुनिश्चित

किए बिना ऐसी किफायती दवाएं और घातक हो सकती हैं, क्योंकि जिस तबके को राहत देने के लिए ये दवाएं बनाई जाती हैं, उनके लिए ही आफत बन जाती हैं। कफ सीरप से बच्चों की मौतें इस कड़वी सच्चाई को ही उजागर करती हैं कि भारत में सस्ती दवाएं तो उपलब्ध हुई हैं, पर उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। अक्सर यह सवाल उठता है कि जब जेनेरिक दवाओं में ब्रांडेड या पेटेंट दवाओं जैसे तत्व ही होते हैं तो कई बार वे अनुपयोगी क्यों साबित हो जाती हैं? इसका जवाब दवा निर्माण की प्रक्रिया से जुड़ा है। दवा में मूलभूत तत्व या एपीआइ उसका केवल एक हिस्सा होता है। बाकी फार्मूलेशन में फिलर्स, बाइंडर्स और कोटिंग जैसे पहलू भी होते हैं। ये निर्धारित करते हैं कि दवा कितनी जल्दी घुलती है और शरीर उनकी कितनी मात्रा अवशोषित करता है। इन पहलुओं में थोड़ा सा भी परिवर्तन दवा की प्रकृति एवं प्रभाव पर असर डाल सकता है। चंडीगढ़ स्थित पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के डाक्टरों ने 2024 के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया। एंटीफंगल दवा इट्राकोनाजोल के 22 जेनेरिक संस्करणों की तुलना में उन्होंने पाया कि केवल 29 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं ने दो सप्ताह में अपेक्षित स्तर हासिल किया, जबकि पेटेंट दवाओं में यह स्तर 73 प्रतिशत तक था। जेनेरिक दवाओं में छोटे-असमान आकार के पलेट मिले, जो अवशोषण और प्रभावशीलता को प्रभावित करते थे। ये ऐसा अंतर नहीं, जो जानबूझकर छोड़ा जाए, बल्कि यह इसी को रेखांकित करता है कि असमान निर्माण मानक और कमजोर निगरानी परिणामों को कैसे प्रभावित करती है। इस मोर्चे पर समस्या गहरी और संस्थागत है। दवा

निर्माण के लिए भारत का केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ ही व्यापक रूप से नियम निर्धारित करता है, पर कारखानों को लाइसेंस देना, इकाइयों का निरीक्षण करना, नमूनों के परीक्षण जैसी अधिकांश शक्तियां राज्य औषधि नियामक प्राधिकरणों यानी एसडीआरए के पास हैं। निगरानी को लेकर विभिन्न राज्यों की क्षमताएं भी भिन्न हैं। कुछ राज्यों के पास सुदृढ़ प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षित निरीक्षक हैं, जबकि कई राज्यों में तमाम इकाइयों के लिए अत्यंत सीमित मानव संसाधन होता है। निर्माता इसी का फायदा उठाते हुए वहां उत्पादन को प्राथमिकता देते हैं, जहां नियामकीय ढांचा अपेक्षाकृत कमजोर होता है। यह नियामकीय तोड़ ही है। सीडीएससीओ ने 2018 में स्थिरता परीक्षण को अनिवार्य तो बनाया, पर कई राज्यों में परीक्षण संबंधी बुनियादी ढांचा ही नहीं है और यह नियम पुरानी दवाओं पर लागू भी नहीं होता। इससे भारत जैसी जलवायु वाले देश में एक बड़ा जोखिम पैदा होता है। भाटिया समिति (1954) से लेकर माशेलकर समिति (2003) ने यही सुझाया कि लाइसेंसिंग और गुणवत्ता नियंत्रण को एक राष्ट्रीय ढांचे के तहत लाया जाए, पर सुधारों की राह में राज्यों का रवैया अवरोध बना हुआ है। श्रीसन मामला दिखाता है कि कैसे लापरवाहियों की अनदेखी होती है। यह 10 से भी कम कर्मियों के भरोसे चल रही थी। फिट्नेशन सिस्टम और रिकाल तंत्र भी नहीं था। फिर भी उसे 2026 तक लाइसेंस हासिल था। पूर्ववर्ती कंपनी का सालों पहले वजुद खत्म होने के बावजूद सीमित निरीक्षण के जरिये उसने नया लाइसेंस हासिल कर लिया। नियम उल्लंघन का मामला तब तक सामने नहीं आया, जब तक कुछ नौनिहाल काल के गाल में नहीं समा गए।

सम्पादकीय

मतदाता सूची से जुड़े सवालों के संतोष जनक जवाब नहीं आ सके सामने



बिहार में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अब भी मतदाता सूची से जुड़े सवालों के संतोषजनक जवाब सामने नहीं आ सके हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को इस संबंध में निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करने की जरूरत पड़ रही है। हालांकि अदालत की ओर से दिए गए निर्देश आयोग के अपने दायित्व में शामिल होने चाहिए थे। हाल ही में निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण की कवायद के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की थी। अब उसमें बाहर किए गए मतदाताओं की संख्या और उनके अधिकारों को लेकर फिर से सवाल उठे हैं। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने साफ कहा कि अंतिम मतदाता सूची से जिन तीन लाख छियासठ हजार लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन सबको अपील करने का उचित अवसर दिया जाए। अदालत के मुताबिक, प्रभावित लोगों के पास सिर्फ एक पवित्र का कोई जटिल आदेश नहीं, बल्कि विस्तृत ब्योरा होना चाहिए कि उनके नाम क्यों शामिल नहीं किए गए। देश में बहुत सारे लोगों के लिए सरकारी आदेशों की जटिल भाषा समझना कोई आसान काम नहीं है। सिर्फ इस वजह से कितने लोग अपने वाजिब और कानूनी अधिकारों से वंचित हो जाते हैं, यह शोध का विषय है। ऐसे में जब चुनाव के दिन अब बहुत कम रह गए हैं, निर्वाचन आयोग की ओर से आम लोगों को किसी ऐसी भाषा में आदेश दिया जाता है, जो उनकी स्थिति की सटीक और आसान व्याख्या नहीं करता है या वे उससे संतुष्ट नहीं होते हैं, तो उन्हें समझने के लिए आयोग ने क्या व्यवस्था की है। यों भी, अगर किसी व्यक्ति को यह जानकारी नहीं है कि उसका नाम मतदाता सूची से क्यों हटाया गया, तो इस मसले का हल नहीं निकल सकता। फिर अंतिम सूची से हटाए गए वैसे बहुत सारे लोग हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति या फिर जागरूकता का स्तर यह नहीं है कि वे कानूनी सहायता लेकर अपनी मुश्किल को दूर करने की कोशिश करें। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए शीर्ष अदालत ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से अपने जिला स्तरीय निकायों को यह निर्देश जारी करने को कहा कि वे मतदाता सूची से बाहर किए गए सभी मतदाताओं को निर्वाचन आयोग में अपील दायर करने के लिए मुफ्त कानूनी सहायता करें। विडंबना यह है कि मतदाता सूची में सिर्फ पात्र और वैध मतदाताओं का नाम बने रहने की जिस कवायद को पूरी तरह विवादरहित होना चाहिए था, वह कई तरह के आरोपों में घिरी दिखती है और एक तरह से यह राजनीतिक मुद्दा बन गई। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में विदेशियों के होने का भी मुद्दा उठा था। अब अंतिम सूची जारी होने के बाद निर्वाचन आयोग से अगर यह पूछा जा रहा है कि कितने विदेशी लोग पाए गए, तो यह अप्रत्याशित नहीं है। इसके अलावा, अब भी एक ही पते पर कई-कई मतदाताओं के नाम दर्ज होने से लेकर गलत मकान नंबर, अस्पष्ट नाम आदि प्रविष्टियों में गंभीर चूक को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में यह सोचने की जरूरत है कि मतदाता सूची के पूरी तरह शुद्धिकरण के दावे के साथ निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण की जो कवायद की, उसका हासिल क्या रहा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि मतदाता सूची में बने रहने के लिए निर्वाचन आयोग ने जिस तरह आधार कार्ड को अमान्य कर दिया था, अगर सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से उसे एक स्वीकार्य दस्तावेज नहीं बताया गया होता, तो कितने और लोग मतदाता सूची से बाहर होते।

सर क्रीक को लेकर सचेत रहना होगा



सर क्रीक क्षेत्र भारत-पाकिस्तान संबंधों में एक बार फिर तनाव का केंद्र बन गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर क्रीक में सैन्य जमावड़े को लेकर पाकिस्तान को चेतावनी दी है। यह एक 96 किलोमीटर लंबा ज्वारीय मुहाना है, जो गुजरात में कच्छ के रण को पाकिस्तान के सिंध प्रांत से अलग करता है। सर क्रीक विवाद की जड़ें 1908 से जुड़ी हैं, जब कच्छ और सिंध के शासकों के बीच क्षेत्रीय विभाजन को लेकर असहमति उत्पन्न हुई। बांबे प्रेसीडेंसी द्वारा 1914 में एक प्रस्ताव के जरिये मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने एक अस्पष्टता पैदा कर दी। प्रस्ताव के एक खंड में सुझाव दिया गया कि सीमा क्रीक के बाहरी किनारे की ओर स्थित है, जबकि दूसरे में अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लेख किया गया, जिसके अलग निहितार्थ थे। यह मुद्दा 1965 के सशस्त्र संघर्ष के बाद फिर से उभरा, जब पाकिस्तान ने कच्छ के रण के आधे हिस्से पर दावा किया। 1968 में एक अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने रण के 90 प्रतिशत हिस्से पर भारत के दावे को बरकरार रखा, लेकिन सर क्रीक सीमा अनसुलझी रही। भारत का कहना है कि सीमा क्रीक के बीच से होकर गुजरती है, जबकि पाकिस्तान जोर देता है कि यह क्रीक के पूर्वी तट पर स्थित है। यह अंतर निर्धारित करता है कि समुद्री सीमा अरब सागर में कैसे फैली हुई है,

जो संभावित हाइड्रोकार्बन भंडार, मछली पकड़ने के क्षेत्रों और दोनों देशों के विशेष आर्थिक क्षेत्रों में अरबों डालर के सामुद्रिक संसाधनों तक पहुंच को प्रभावित करता है। साल 1989 से भारत और पाकिस्तान इस विवाद को सुलझाने के लिए ठोस प्रगति के बिना छह दौर की चर्चाएं कर चुके हैं। पाकिस्तान जोर देता है कि समुद्री सीमा के लिए आधार स्थापित करने के लिए पहले क्रीक में सीमा का सीमांकन किया जाना चाहिए, जो भूमि और समुद्री सीमा मुद्दों को जोड़ता है। वहीं भारत ने परिसीमन, सीमांकन का प्रस्ताव रखा, लेकिन तकनीकी कठिनाइयों और राजनीतिक अविरास ने कार्यान्वयन को रोक दिया है। यह भारत के अपने अन्य पड़ोसियों के साथ समुद्री सीमाओं के सफल समाधान के बिल्कुल विपरीत है। श्रीलंका के साथ 1974 और 1976 में द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें मालदीव के साथ त्रिविंदु से लेकर पाक स्ट्रेट, पाक खाड़ी और मन्नार की खाड़ी में 200 समुद्री मील की सीमा तक फैली 288 किलोमीटर की समुद्री सीमा स्थापित की गई। बांग्लादेश के साथ दक्कन की असफल बातचीत के बावजूद विवाद अंततः संयुक्त राष्ट्र सामुद्रिक कानूनों के तहत अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के माध्यम से हल किया गया। 2014 में स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने बंगाल की खाड़ी में विवादित 25,602 वर्ग

किलोमीटर में से 19,467 वर्ग किलोमीटर बांग्लादेश को प्रदान किया। भारत और बांग्लादेश ने इस बाध्यकारी निर्णय को स्वीकार किया और इसे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के अवसर के रूप में उभरता है। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि जब राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तब समुद्री सीमा विवादों का शांतिपूर्ण समाधान बातचीत या मध्यस्थता के माध्यम से संभव है। सर क्रीक पाकिस्तान को रणनीतिक रूप से प्रभावित करता है। इसका सबसे बड़ा शहर कराची इस विवादित सीमा से केवल 60 किलोमीटर दूर स्थित है, जहां इसका प्राथमिक नौसैनिक अड्डा है। यहां भारतीय नौसैनिक उपस्थिति पाकिस्तान की व्यावसायिक जीवन रेखा और सैन्य बुनियादी ढांचे को खतरने में डालती है। भारत के लिए सर क्रीक को सुरक्षित करना गुजरात की तटरेखा की रक्षा के लिए आवश्यक है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कांडला बंदरगाह और क्षेत्र को घुसपैठ गतिविधों बनने से रोकने के लिए भी यह जरूरी है। सर क्रीक पर उठे विवाद को नए सिरे से 2019 के बाद के सैन्य गतिरोध और आपरेशन सिंदूर के व्यापक संदर्भ में समझा जाना चाहिए। भारत के नौसैनिक आधुनिकीकरण जैसे कि स्वदेशी विमानवाहक पोत, उन्नत पनडुब्बियां और बड़ी हुई तटीय निगरानी ने समुद्री शक्ति संतुलन को मूल रूप से बदल दिया है।

आत्मा पर जमी काई

विनोद और विनोदप्रियता सामाजिक मस्तिष्क के विरेचन का उद्योग करती है। किसी भी समाज की स्वस्थ, जीवंत और सकारात्मक बनाए रखने के लिए आलोचना, असहमति और विनोदप्रियता की बड़ी भूमिका होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो जीवंत और प्राणवान समाज में ही आलोचना, असहमति और विनोद की गुंजाइश होती है। किसी भी रुग्ण समाज को भीतर से ही आलोचना की जरूरत होती है। विडंबना यह है कि मानसिक तौर पर रुग्ण समाज आलोचना सुनने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं होता। असहमति को निंदा या शत्रु भाव करार दे दिया जाता है।

‘निंदक नियरे राखिए आंगन कुटी छावाय/ बिन पानी साबुन बिना, निरमल होत सुभाय।’ तर्क दिया है कि निंदक बिना साबुन और पानी के चित्त निर्मल कर देता है। कबीर का यह दोहा कई बार सतत निंदा से उपजे क्षोभ का विरेचन करने के काम आता है। हो सकता है कि कबीर ने यह दोहा इसीलिए लिखा हो। एक संभावना यह लगती है कि कबीर ने अपने समय की सत्ता को नेक सलाह दी हो कि भाई निंदकों की सुनिए। आपका भला ही होगा। कबीरदास काफी मजबूत आदमी थे। निंदा को सहने की और उसमें से सकारात्मक खोज लेने की सामर्थ्य थी उनके पास। हम इतने कमजोर हो गए हैं कि निंदा तो दूर की बात है, आलोचना तक सुनने की सामर्थ्य नहीं रह गई है। लेकिन दोनों में बुनियादी भेद है। निंदा के मूल में प्रायः ईर्ष्या होती है, जबकि आलोचना के मूल में बेसत की ओर ले जाने का भाव होता है। आलोचना करके अगले की उन कमियों का रेखांकन करते हैं, जिन्हें दूर करके वह अपने को दुरुस्त कर सके। साहित्यिक आलोचना की एक ज़िम्मेदारी और होती है कि वह पाठकों के लिए रचना के आस्वादन का रास्ता बनाती है। आलोचना पाठक के ‘सहृदय’ का निर्माण भी करती है। इसीलिए आलोचना की दोहरी सामाजिक भूमिका होती है। आलोचक का दायित्व निभाते हुए हम असहमत होते हैं। आलोचना की तरह असहमति की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। किसी भी लोकतांत्रिक और विकसित समाज में असहमति की गुंजाइश होती है। जैन मत ने असहमति के स्वीकार के लिए स्यादवाद का अद्भुत तरीका ईजाद किया था। इसी तरह एक और चीज है, जिसे कहते हैं विनोद या विनोदप्रियता। विनोद और विनोदप्रियता सामाजिक मस्तिष्क के विरेचन का उद्योग करती है। किसी भी समाज को स्वस्थ, जीवंत और सकारात्मक बनाए रखने के लिए आलोचना, असहमति और विनोदप्रियता की बड़ी भूमिका होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो



जीवंत और प्राणवान समाज में ही आलोचना, असहमति और विनोद की गुंजाइश होती है। किसी भी रुग्ण समाज को भीतर से ही आलोचना की जरूरत होती है। विडंबना यह है कि मानसिक तौर पर रुग्ण समाज आलोचना सुनने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं होता। असहमति को निंदा या शत्रु भाव करार दे दिया जाता है। यही हाल विनोदप्रियता का है। समाज (या व्यक्ति) भीतर से जितना कमजोर और रुग्ण होगा, उसमें आलोचना, असहमति और विनोदप्रियता की गुंजाइश उतनी ही कम होगी। एक बार इस पैमाने पर भी हम आत्म-समीक्षा करें और देखें कि कहीं हम धीरे-धीरे एक रुग्ण समाज तो नहीं बनते जा रहे हैं। एक ऐसा समाज, जो जरा-सी आलोचना पर कुम्हड़ बतिया की तरह कुम्हला जाए। छुईमुई हो जाए। असहमति पर आगबबूला हो जाए। विनोद को सुनने और सहने की ताब हो न हो। असहमति, आलोचना और विनोद के शब्द कान में गोली की तरह लगें और हम लाठी-डंडा लेकर पिल पड़ें। गालिब कहते हैं ‘यार से छेड़ चली आती है असद/ न सही इश्क अदावत ही सही’। विनोदप्रियता इतनी कम हो गई है कि यार से भी छेड़छाड़ करने में डर लगा रहता है। यार अगर सत्ता के केंद्र में है तो

कहना ही क्या? दुर्भाग्य से यह राजनीति और समाज का ही नहीं, साहित्य समाज का भी सच है। प्रेमचंद कहते रहें कि साहित्य राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई नहीं, बल्कि उसके आगे चलने वाली मशाल है, पर हो इसके उलट रहा है। राजनीति शब्दों का उपयोग प्रायः लाठी-डंडे की तरह करती है, तो देखादेखी साहित्य ने भी वही रास्ता पकड़ लिया। माहौल ऐसा बन गया है कि नाजुक, संजीदा और जरूरी सवाल नक्कावरखाने में तूती की आवाज बन कर रह गए और गैर-जरूरी और भोंड़े मुद्दे जोर-शोर से उठाए जा रहे हैं। मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक यह बात आम हो गई है। गंभीर बातें कहीं किनारे छूट जाती हैं और सतही बातें सतह पर छा जाती हैं। आत्मप्रचार और आत्ममुग्धता का बोलबोला है। विवेक का स्थान मद ने ले लिया है। आलोचना की जगह कम हुई है, इसके कारणों की तलाश की जानी चाहिए। इसका गहरा संबंध आलोचना की जरूरत से है। आलोचना की जरूरत किसे है और कितनी है? किस तरह की आलोचना की जरूरत है? आलोचना के स्वरूप का मामला आलोचना की जरूरत से जुड़ा है। समकालीन आलोचना में बहुवर्णी विविधता है।



डिप्रेशन से डरें नहीं

जिंदगी हमें तरह-तरह के रंग दिखाती है। इसमें हमें कभी खुशियों की सौगात मिलती है, तो कभी दुख का अहसास भी होता है। कई बार हमारे जीवन का दुख काफी लंबा हो जाता है जो, डिप्रेशन यानी अवसाद का कारण बन सकता है। यह जीवन पर पड़ने वाला ऐसा काला साया है, जिससे जीवन के प्रति रुचि खत्म होने लगती है और दिन-प्रतिदिन के कामकाज से भी मन उचट जाता है, लेकिन अब इस मनोरोग से छुटकारा संभव है... डिप्रेशन के कई कारण हो सकते हैं। किसी व्यक्ति के निजी जीवन से जुड़ी कई बातें भी डिप्रेशन केलिए जिम्मेदार होती हैं। जैसे हमारे जीवन में आने वाले महत्वपूर्ण पड़ाव जिसमें किसी प्रियजन का बिछड़ना, नौकरी का छूट जाना, विवाह संबंधों में टूटन, शिक्षा के क्षेत्र में असफलता और इस तरह की अन्य समस्याएं अवसाद का कारण बनती हैं। इसके अलावा जीवन के प्रति नकारात्मक सोच रखने वाले लोग अवसाद या डिप्रेशन से कहीं ज्यादा ग्रस्त होते हैं। जैसे वे सोचते हैं कि मैं सफल नहीं होऊंगा, इसलिए यह कार्य नहीं कर सकता या फिर कई लोगों के मन में हमेशा कुछ न कुछ अनहोनी का डर बना रहता है जिससे उनके अवसाद में जाने का खतरा बना रहता है। कुछ समस्याएं ऐसी हैं, जिनके कारण व्यक्ति अवसाद में जा सकता है। जैसे थायराइड से संबंधित बीमारियां, विटामिन डी की कमी और पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याएं आदि। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट्स के कारण भी व्यक्ति डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकता है।

उदासी या एकाकीपन

अगर व्यक्ति डिप्रेशन या अवसाद से ग्रस्त है, तो उसका किसी काम या विषय में मन नहीं लगता। हालांकि सामान्य उदासी अवसादग्रस्त उदासी से बिल्कुल भिन्न है। अवसादग्रस्त व्यक्ति की विभिन्न वस्तुओं या विषयों से रुचि खत्म हो जाती है, उसे खुशी या गम का अहसास नहीं होता। वह अपनी ही दुनिया में खोया रहता है। **नकारात्मक रवैया:** किसी भी तरह की सकारात्मक सोच पर ये लोग ध्यान नहीं देते। ऐसे व्यक्ति पर नकारात्मक सोच हावी रहती है।

शारीरिक अस्थिरता

अगर व्यक्ति अवसादग्रस्त है, तो उसे या तो अत्यधिक नींद आती है या फिर नींद कम आती है। कई बार आधी रात को ही नींद खुल जाती है। अवसादग्रस्त व्यक्ति को भूख कम लगती है और उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। अवसाद आनुवांशिक कारणों से भी संभव है। अवसाद किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकता है। अवसाद के भी विभिन्न स्तर हैं, जो इस प्रकार हैं- मेजर, क्रांनिक, मैनिएक और अन्य प्रकार के अवसाद।

मेजर डिप्रेशन

एक गंभीर समस्या डिप्रेशन का सबसे सामान्य रूप है- मेजर डिप्रेशन। इसके कुछ लक्षण इस प्रकार हैं...

- पीड़ित व्यक्ति अत्यधिक दुख, हताशा, ऊर्जा की कमी और चिड़चिड़ापन महसूस करता है।
- किसी काम में ध्यान न लगना। नींद और खाने की आदतों में परिवर्तन।
- शारीरिक दर्द और आत्महत्या जैसे विचारों का अहसास।

इलाज: मेजर डिप्रेशन से पीड़ित व्यक्ति कम से कम दो हफ्ते से ज्यादा समय तक अगर उपर्युक्त लक्षणों से ग्रस्त हैं, तो उसके परिजनों को मनोचिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि मेजर डिप्रेशन की चपेट में आने वाले 80 से 90 प्रतिशत व्यक्ति उचित इलाज



से ठीक हो जाते हैं। इलाज के अंतर्गत दवाएं और मरीज के साथ ही उसके परिजनों की काउंसलिंग की जाती है। इसके अलावा पीड़ित व्यक्ति को कॉग्निटिव बिहैवियर थेरेपी (मरीज के सोचने के ढंग को बदलने के लिए प्रेरित करना) भी दी जाती है।

बाइपोलर डिसऑर्डर

बाइपोलर डिसऑर्डर को मैनिएक डिप्रेशन भी कहा जाता है, जो मानसिक चंचलता और मानसिक दिक्कों का कारण बनता है। जब व्यक्ति अवसादग्रस्त होता है, तब वह दुखी या हताश महसूस करता है और किसी भी क्रियाकलाप के प्रति दिलचस्पी खो देता है, लेकिन जब उसका मूड दूसरी दिशा में शिफ्ट होता है, तब वह ऊर्जा से भरपूर और उल्लासमय नजर आता है। मूड का इस तरह बदलना जीवन में कई बार हो सकता है। कुछ लोगों में यह बीमारी गंभीर रूप ले लेती है। **इलाज:** विशेषज्ञ की सलाह पर ट्रीटमेंट लेना आवश्यक है। ज्यादातर मामलों में बाइपोलर डिसऑर्डर को दवाओं और काउंसलिंग के जरिए नियंत्रित किया जा सकता है।

चेहरे के अनचाहे बाल

खूबसूरती में दाग की

तरह होते हैं, इनके

कारण आपको परेशानी

हो सकती है। चेहरे के

इन बालों को हटाने के

लिए आप कई कोशिशें

करते हैं लेकिन फिर से

ये बाल आपके चेहरे पर

उग जाते हैं। अनचाहे

बाल किसी शारीरिक

कमी के कारण नहीं

बल्कि हार्मॉस असंतुलन

के कारण आते हैं। अगर

आपके चेहरे पर भी

अनचाहे बाल हैं तो इसके

लिए परेशान होने की

जरूरत नहीं है, बल्कि

कुछ आसान तरीकों को

आजमाकर आप इन से

आसानी से छुटकारा पा

सकते हैं।

चेहरे के अनचाहे बालों से ऐसे पाएं छुटकारा

वैक्सिंग के जरिए

यह चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने का बहुत ही आसान तरीका है, इसका प्रयोग आसानी से किया जा सकता है। वैक्सिंग के द्वारा चेहरे के किसी भी हिस्से में मौजूद बालों को हटाया जा सकता है। इससे अनचाहे बाल पूरी तरह साफ हो जाते हैं और आपके चेहरे की त्वचा मुलायम हो जाती है। चेहरे के बाल हटाने के लिए कटोरी वैक्सिंग की जाती है। वैक्सिंग के बाद बाल लंबे समय तक दोबारा नहीं आते, क्योंकि यह चेहरे की त्वचा के अंदर जड़ों से बालों को निकालता है।

व्हीचिंग के द्वारा

अगर आपके चेहरे और कनपटियों के आसपास हल्के-हल्के रोएं दिखाई देते हैं तो उन्हें छिपाने के लिए व्हीचिंग कर सकती हैं। लेकिन व्हीचिंग करने से पहले अपनी त्वचा के प्रकार को ध्यान में रखें, यह भी देख लींजिए कि क्या यह आपकी त्वचा को सूट भी कर रहा है या नहीं। इसके लिए तैयार की हुई व्हीच को अपनी हथेली पर लगाकर देखिए, इसके बाद ही इसका प्रयोग करें। व्हीचिंग करने से पहले एक बात और ध्यान रखें यह रोएं हटाने का स्थाई उपचार नहीं है बल्कि यह तरीका आपको समय-समय पर दोहराना पड़ेगा।

थ्रेडिंग और ट्वीजिंग से

चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने के लिए थ्रेडिंग और ट्वीजिंग का प्रयोग कीजिए। चेहरे के अनचाहे बाल ज्यादातर अनचाहे बाल ठोड़ी, होठों के ऊपर और कपोल पर ही होते हैं। थ्रेडिंग के जरिए चेहरे के अनचाहे बालों से छुटकारा मिल सकता है। ये भी यह वैक्सिंग की तरह अनचाहे बालों को बढ़ने से रोकती है। आईब्रो को सही



आकार देने के लिए भी थ्रेडिंग की जाती है। इन बालों को कैची से नहीं काटना चाहिए क्योंकि यह स्थाई उपचार नहीं है। ठोड़ी पर आए अनचाहे बालों को आप प्लकिंग करके भी निकाल सकते हैं, इसके लिए आइब्रो-ट्वीजर चिमटी का प्रयोग बेहतर माना जाता है।

हेयर रिमूविंग क्रीम

चेहरे के बालों को हटाने के लिए हेयर रिमूवर क्रीम का प्रयोग कीजिए। इससे अनचाहे बालों को हटाने में कोई दर्द नहीं होता और न ही ज्यादा समय लगता है। लेकिन इसका प्रयोग करने का सबसे ज्यादा नुकसान यह है कि इससे अनचाहे बाल दोबारा जल्दी उग आते हैं। साथ ही

इस बात का ध्यान रखें कि हेयर रिमूवर क्रीम का इस्तेमाल कभी भी अपने चेहरे पर न करें।

इलेक्ट्रोलिसिस

होंठों के ऊपर आने वाले बालों के लिए प्लकिंग न करते हुए इलेक्ट्रोलिसिस का प्रयोग अच्छा माना जाता है। हालांकि इस तकनीक से आप शरीर के अन्य हिस्सों के बाल भी हटा सकते हैं। इलेक्ट्रोलिसिस के दौरान बिजली के हल्के करंट का प्रयोग किया जाता है। लेकिन इस तकनीक के प्रयोग के लिए आपको कुछ हफ्तों तक इसका प्रयोग करना आवश्यक है तभी आप स्थाई रूप से अनचाहे बालों से मुक्ति मिल सकती है।

लेजर तकनीक

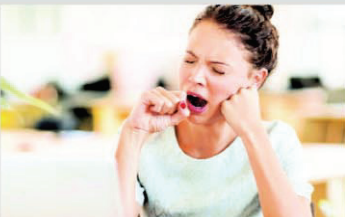
लेजर से चेहरे के अनचाहे बालों को स्थाई रूप से हटाया जा सकता है क्योंकि लेजर से बालों को हमेशा के लिए जड़ से खत्म किया जाता है। लेजर की किरणों को बालों की जड़ पर केंद्रित किया जाता है, जिससे बाल हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं। इसमें लगभग सात से 8 सत्रिंग्स लगती हैं। इसके अलावा चेहरे के बालों को हटाने के लिए आप घरेलू नुस्खों का प्रयोग कर सकते हैं। लेकिन कोई भी तरीका आजमाने से पहले अपने चेहरे की संवेदनशीलता को जरूर मापें। अगर किसी प्रकार की समस्या हो तो त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह लें।

ट्रिक गीता के लिए फायदेमंद साबित हुईं।

ये ट्रिक है क्या?: इस ट्रिक की खोज हार्वर्ड से पढ़े डॉ एंड्रयू वेल ने की, जिन्होंने मेडिटेशन, बिथिंग और तनाव मुक्त करने पर स्टडी की है। यह ट्रिक करने में काफी आसान है और इसे करने में मुश्किल से एक मिनट से भी कम समय लगता है। नाक से चार सकेंड तक के लिए सांस लें, सात सकेंड तक इसे रोक कर रखें, और आठ सकेंड तक इसे छोड़ते रहें। इससे हार्टबीट स्लो होती है और ब्रेन में एक केमीकल रीलजिंग होता है जिससे हमें आराम मिलता है। जब हम तनाव में होते हैं तो एंडोक्राइन सिस्टम एड्रेनल ग्लैंड से एड्रेनालाइन रीलजिंग करता है। इससे हार्टबीट बढ़ती है और शरीर में तनाव पैदा होता है। इस ब्रीथिंग ट्रिक के जरिये जो केमीकल रीलजिंग होता है वो एड्रेनालाइन का काउंटरएक्ट होता है जो हार्टबीट को धीरे करता है। शुरुआत में ये ट्रिक थोड़ी अनकम्फर्टबल लगती है। लेकिन लगातार उपयोग से आपके शरीर और दिमाग दोनों को आराम मिलता है। इस तकनीक को आजमाने के बाद भी अगर आपकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है तो चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें।

दूर होगी अनिद्रा की शिकायत

रात तक जागकर काम करने से एक समय के बाद अनिद्रा की शिकायत होना आम समस्या बन जाती है। ऐसे में एक समय के बाद रात को नींद नहीं आती। **4-7-8 ब्रीथिंग ट्रिक:** गीता पिछले कई दिनों से रातों को सो नहीं पा रही थी। उसने जब एक सप्ताह रातों को करवटें बदलकर काटो तो उसने विशेषज्ञ से परामर्श लेने के बारे में सोचा। गीता ने जब अपने फैमिली डॉक्टर से इस समस्या के बारे में बताया तो उन्होंने गीता को 4-7-8 ब्रीथिंग ट्रिक की सलाह दी। सबसे आश्चर्य की बात है की ये



बौनेपन का इलाज संभव



बौनापन भी अब लाइलाज नहीं रहा। ग्रोथ हार्मोन इंजेक्शन लगाकर इसका ट्रीटमेंट संभव है... जब लंबाई 147 सेंमी. से कम हो तो उसे बौना व्यक्ति कहा जाता है। लेकिन हर बौने व्यक्ति के शरीर के लक्षण एक-दूसरे से भिन्न होते हैं। बौने व्यक्ति के शरीर के सभी भागों की लंबाई, असंगत (डिस्प्रोपोर्शनेट) होती है, हाथ लंबे होते हैं, पैर छोटे होते, पैर बड़े हो तो हाथ छोटे होते हैं। पेट व छाती की बनावट भिन्न होती है। इस तरह की बनावट में शरीर के अंगों में सामंजस्यता नहीं पाई जाती है। संगत (प्रोपोर्शनेट) बौनापन में शरीर के सभी अंग सामान्य से छोटे होते हैं।

बौनेपन के प्रकार

शरीर के अंगों की लम्बाई व बनावट के आधार पर इनका वर्गीकरण निम्न वर्गों में किया गया है।

- **रोजोमेलिक:** इस तरह के बौने व्यक्तियों में बाजू और जांघ बहुत छोटे होते हैं। बाकी शरीर सामान्य होता है।
- **मिजोमेलिक:** इनमें बाजू के अग्र भाग और पैरों की लम्बाई सामान्य से बहुत कम होती है। बाकी शरीर सामान्य होता है।
- **एक्रोमेलिक:** जब पैर व हाथ दोनों ही बहुत ज्यादा छोटे होते हैं बाकि शरीर की लम्बाई सामान्य होती है।
- **माइक्रोमेलिक:** जब हाथ व पैरों की लम्बाई सामान्य से बहुत कम होती है।

कारण: शरीर से जुड़ी 300 तरह की बीमारियों में से कोई एक बौनेपन का कारण होती है लेकिन इससे ग्रसित 70 प्रतिशत व्यक्तियों में बौनेपन की वजह पीयूष ग्रंथि द्वारा स्खावित ग्रोथ हार्मोन का न बनना होता है। दूसरा मुख्य कारण जिसे एक्रोड्रोप्लेजिया कहते हैं इसमें शरीर के जोड़ों में अस्मानता व लचीलापन होता है। यह समस्या आनुवांशिक होती है। इसमें एफजीएफआर-3 नामक जीन में बदलाव से हड्डियों की वृद्धि नहीं होने के कारण बौनापन हो जाता है।

उपचार: एक साल की उम्र तक बच्चे का उचित विकास न हो तो माता-पिता को एंडोक्रायनोलॉजिस्ट या न्यूरोसर्जन से संपर्क करें। विशेषज्ञ बच्चे को तीन साल तक ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद बौनेपन के बारे में निर्णय लेते हैं। 5-7 साल की उम्र में ग्रोथ हार्मोन इंजेक्शन लगाए जाते हैं। हर तीन माह में रक्त जांच करके हार्मोस वृद्धि का पता लगाया जाता है। यदि नतीजे पॉजिटिव होते हैं तो दोबारा इंजेक्शन लगाया जाता है। यह प्रक्रिया 13-15 साल की उम्र तक चलती है। रक्त में ग्रोथ हार्मोन की सामान्य मात्रा औसतन 4-17 माइक्रोमिलिलीटर होनी चाहिए। यदि इस हार्मोन की कमी होती है तो विशेषज्ञ की देखरेख में समय-समय पर ग्रोथ हार्मोन के इंजेक्शन देकर खून में इसके स्तर को सामान्य रखने का प्रयास किया जाता है।

निदान व जांच

बौनेपन की पहचान बाल्यावस्था में बच्चे के विकास की गति और लक्षणों से की जा सकती है। जब बच्चे की लम्बाई उम्र के अनुसार न होकर बहुत ही धीमी गति से हो तो यह भी बौनेपन का एक लक्षण हो सकता है। वर्तमान में विभिन्न जांचों में मुख्य रूप से खून में ग्रोथ हार्मोन के स्तर की जांच प्रारंभिक अवस्था में करने पर यह तय किया जा सकता है कि कहीं इसकी कमी के कारण बच्चा भविष्य में बौनेपन का शिकार तो नहीं हो जाएगा? यदि रक्त में इसका स्तर सामान्य पाया जाए और यदि बच्चे में वंशानुगत जांच एफजीएफआर-3 जीन में त्रुटि पाई जाए तो बाल्यावस्था में ही बौनेपन की बीमारी को पहचाना जा सकता है। बच्चे के शरीर के सभी जोड़ों के एक्स-रे व एमआरआई से प्रारंभिक अवस्था में ही बौनेपन की पहचान की जा सकती है। यदि बच्चे की लम्बाई कम है और जांच में कोई बीमारी न मिले तो उसे बौनापन नहीं कहकर छोटे कद का व्यक्ति कहा जाता है।

पाली में थ्रेसर में फंसी चुन्नी, फंदा लगने से मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पाली

पाली में खेत में काम करने के दौरान एक 17 साल की नाबालिग की चुन्नी थ्रेसर मशीन में फंरने से मौत हो गई। इस पर वह चिल्लाने लगी। बहन को तड़पता देख भाई उसे बचाने भी दौड़ा। मामला जिले के जैतपुर थाने के देवाण गांव में शुक्रवार का है। थ्रेसर में चुन्नी फंरते ही फंदा लग गया और दम घुटने से नाबालिग की मौत हो गई। थाने के, स्ट्र मंगल सिंह ने बताया कि रिकू खेत में थ्रेसर मशीन में मूंग की फसल साफ कर रही थी। इस दौरान फसल थ्रेसर मशीन में डालते समय उसका दुपट्ा अंदर चला गया। ऐसे में उसके गले में फंदा लग गया। इधर, रिकू के चिल्लाने की आवाज सुन उसका बड़ा भाई विक्रम उसे बचाने दौड़ा। फंदा लगने के बाद वह तड़प रही थी। जैसे-तैसे गले से उसका फंदा निकाला और भाद्राजून हॉस्पिटल ले गए। यहां से उसकी हालात को देखते हुए पाली रेफर किया। जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। एएसआई ने बताया कि मृतका के भाई विक्रम की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज किया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा। चार भाई बहनों में रिकू तीसरे नंबर पर थी। उससे बड़ा भाई विक्रम और बहन प्रेम है। मृतका रिकू से एक छोटा भाई राहुल है। रिकू के भाई विक्रम ने बताया कि रिकू ने 9वीं तक की पढ़ाई कर स्कूल हाल ही में छोड़ा था। घटना के वक्त वे भी थ्रेसर मशीन के पास ही थी और दो-तीन जनें और भी थे। रिकू का दुपट्टा फंरते ही उन्होंने भागकर मशीन बंद की दुपट्ा बाहर निकाला। इधर, घटना के बाद परिजनों को रो-रो कर बुरा हाल हो रखा है।

उदयपुर में मां-बेटे समेत 4 लोगों को ट्रैलर ने रौंदा, शवों के चीथड़े बिखरे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर डिवाइडर पर खड़े 4 लोगों को तेज रफ्तार ट्रैलर ने कुचल दिया। भीषण हादसे में सड़क पर 50 मीटर दूर तक मांस के लोथड़े बिखर गए। लाशें सड़क पर चिपक गईं, शवों की पहचान कराना मुश्किल था। एक महिला का शव ट्रैलर के टायरों के बीच फंस गए। यह दृश्य देखकर सड़क से गुजर रहे लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। हादसा रात करीब आठ बजे ऋषभदेव कस्बे में मयूर मिल के सामने हुआ। जानकारी के अनुसार बोलेरो सवार 4 लोग अपने किसी परिजन को डॉक्टर को दिखाने उदयपुर आए थे। सभी लोग शाम को घर लौट रहे थे। रास्ते में बोलेरो के सामने अचानक भैंस आ गई। उसे बचाने की कोशिश में गाड़ी बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराते हुए दूसरी तरफ सड़क पर जाकर पलट गई। हादसे में बोलेरो सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए। बाहर निकलकर डिवाइड पर खड़े हो गए। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रैलर ने डिवाइडर पर चढ़कर चारों लोगों को रौंद दिया। इसके दौरान पीछे से आ रहा ट्रक, टैंकर, जीप और कार एक-एक कर टकरा गए। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ऋषभदेव थानाधिकारी भरत सिंह राजगुरोहित ने बताया- सर्लुंबर के सेमारी क्षेत्र के भोराई घाटा निवासी बसंती (54) पत्नी मूलचंद कटारा की छोटी बहू जीजा देवी (24) पत्नी जितेंद्र कटारा की तबयौत खराब थी। शक्तावतों का गुंडा पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि खेमराज अहारी ने बताया कि बसंती अपने बड़े बेटे अनिल कटारा (30) के साथ जीजा देवी को डॉक्टर को दिखाने उदयपुर आई थीं। डॉक्टर को दिखाकर सभी बोलेरो से घर लौट रहे थे। गाड़ी ईश्वर पुत्र धुला मौणा निवासी खेमा (डूंगरपुर) चला रहा था। ऋषभदेव कस्बे में मयूर मिल के सामने अचानक भैंस सामने आ जाने के कारण बोलेरो पलट गई। चारों को ट्रैलर ने रौंद दिया। हादसे में अजमेर के किशनगढ़ निवासी केलाश पुत्र गणपतलाल घायल हो गए, जिन्हें ऋषभदेव अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें उदयपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस टीम ने क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रैन से हटवाकर यातायात चालू करवाया।

दौसा में छोटे भाई ने बड़े भाई पर तेजाब फेंका, भतीजा भी झुलसा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा दौसा

बिजली का तार हटाने के विवाद में एक युवक ने अपने भाई और भतीजे पर तेजाब फेंक दिया। इसमें पिता-पुत्र का चेहरा और हाथ झुलस गए हैं। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को डिटेन किया है। मामला दौसा के मानपुर थाना इलाके के मोरेड गांव की जोगी ढाणी का शनिवार सुबह का है। मानपुर थाना साहब ने बताया- मोरेड गांव की जोगी ढाणी में रहने वाले धर्म सिंह (45) और उसके बेटे महेंद्र सिंह (22) पर छोटे भाई कमलेश ने ज्वलनशील पदार्थ फेंक दिया। इससे दोनों झुलस गए। पिता-पुत्र को पहले सिकरिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया। धर्म सिंह और छोटे भाई कमलेश के बीच जमीनी विवाद चल रहा है। इसे लेकर पहले शुक्रवार को खेत में बिजली का तार हटाने को लेकर कहासुनी हुई थी। शनिवार सुबह धर्म सिंह अपने बेटे के साथ छोटे भाई कमलेश को समझाने उसके घर गया, जहां फिर विवाद बढ़ गया। गुस्से में आकर कमलेश ने दोनों पर ज्वलनशील पदार्थ फेंक दिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने पाया है कि फेंकना गया ज्वलनशील पदार्थ संभवत टॉयलेट क्लीनर था। इससे दोनों के चेहरे और हाथ झुलस गए। मौके से कुछ केमिकल के निशान भी बरामद किए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है। दोनों पक्षों के पर्या बयान दर्ज कर लिए गए हैं। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी कमलेश योगी को हिरासत में ले लिया है।

राजकुमार-रोत को जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

बीएपी सांसद राजकुमार रोट को सोशल मीडिया पर लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उदयपुर के साइबर पुलिस थाने में यह मामला दर्ज हुआ था। 65 वर्षीय आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया हैं कि उसने शराब के नशे में लाइव पर कमेंट पोस्ट कर दिया था, बाद में होश में आने पर उसने कमेंट डिलीट कर दिया था। मामला 7 अक्टूबर का है। सांसद रोट की लाइव प्रेस स्ट्रीमिंग कर रहे थे। इस दौरान कमेंट कर जान से मारने की धमकी दी गई थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीमिंग में चंद्रवीर सिंह नाम के यूजर ने लिखा- जो कां सांसद राजकुमार रोट को गोली मारे, मैं उसे 1 करोड़ रुपए इनाम दूंगा। बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोट उदयपुर में आदिवासियों के मुद्दे को लेकर प्रेसवार्ता की थी। गिरवा डीएसपी सूर्यवीर सिंह ने बताया- मामला दर्ज होने के बाद उदयपुर और डूंगरपुर की साइबर पुलिस टीम ने आरोपी को चिह्नित किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी चन्द्रवीर सिंह परिहार (65) निवासी धूल जी का गढ़ा, लोहारिया, बांसवाड़ा को पकड़ा है।

अनूपगढ़ में युवक के धर्म परिवर्तन की कोशिश, पत्नी और ससुराल पक्ष पर दबाव बनाने का आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अनूपगढ़

युवक ने पत्नी और ससुराल वालों पर जबर्न धर्मांतरण करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। युवक का आरोप है कि पत्नी और ससुराल वालों ने उससे ईसाई धर्म अपनाने की बात छिपाई। मामला श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ थाना क्षेत्र का है। थाने के एसएसआई राजकुमार ने बताया कि अनूपगढ़ के गांव 2 पीजीएम के रहने वाले राजविंद सिंह सिंह (27) ने थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में राजविंद सिंह ने बताया-पत्नी कर्मदीप कौर, सास गुरदेव कौर और साला मर्दाना सिंह ने धर्म परिवर्तन कर लिया है। अब वे ईसाई धर्म को मनाते हैं। तीनों मिलकर पास्टर सुखदेव सिंह और पास्टर चरणजीत सिंह के साथ मिलकर जबर्न उसका धर्मांतरण कराना चाहते हैं। जब उसने (राजविंद सिंह) ने धर्म परिवर्तन करने से मना किया तो ससुराल के लोग उसके घर आकर लड़ाई झगड़ा करने लगे। ससुराल वाले पत्नी कर्मदीप और उसकी 10 महीने की बेटी अशनवी को लेकर अपने घर पीलीबंगा चले गए। राजविंद सिंह ने रिपोर्ट देकर पत्नी,



ससुराल पक्ष और दोनों पास्टरों के खिलाफ मामला दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना पर विश्व हिंदू परिषद और अन्य हिंदू संगठनों के पदाधिकारी पुलिस थाने

पहुंचे और मामले की निष्पक्षता से जांच की मांग की गई। राजविंद सिंह ने बताया-8 मार्च 2024 को उसकी शादी पीलीबंगा के गांव निहालपुरा की कर्मदीप कौर पुत्री काकड़ सिंह

पाकिस्तान से आई 7.5 करोड़ की ड्रग्स पकड़ी, पुलिस को देख दीवार के पीछे छिपने लगे तस्कर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा श्रीगंगानगर

पुलिस ने पाकिस्तान से आई 1 किलो 492 ग्राम हेरोइन के साथ 2 युवकों को पकड़ा है। पुलिस को देखा दोनों युवक दीवार के पीछे छिप रहे थे, जब पुलिस ने दोनों की जांच की तो हेरोइन मिली। पूछताछ में सामने आया है कि ये ड्रग्स पाकिस्तान से आई थी और पंजाब और हरियाणा में सप्लाई होनी थी। यह कार्रवाई शुक्रवार देर रात श्रीगंगानगर में भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे केसरीसिंहपुर थाना इलाके के घनजातिया रेलवे फाटक के पास की गई। यह केसरीसिंहपुर थाना पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की जॉइंट कार्रवाई थी। केसरीसिंहपुर थानाधिकारी बलवंत राम ने बताया- पकड़े गए तस्करों की पहचान प्रभदीप सिंह (19) और करनजोत सिंह (19) के रूप में हुई। दोनों पंजाब के तरनतारन जिले के खड्डूसाहिब इलाके के रहने वाले हैं। केसरीसिंहपुर थानाधिकारी बलवंत राम ने बताया- शुक्रवार देर रात को गश्त के दौरान दो युवक घनजातिया रेलवे फाटक के पास दिखे थे। जो पुलिस टीम को देखकर चारदीवारी के पीछे छिपने लगे। शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों युवकों को पकड़ लिया। तलाशी में एक युवक के पास प्लास्टिक की थैली में तीन पैकेट्स मिले, जिनमें 493 ग्राम, 495



ग्राम और 504 ग्राम हेरोइन थी। दोनों युवकों से टोटल 1.5 किलो हेरोइन जब्त की गई। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 7.5 करोड़ की आंकी जा रही है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे हेरोइन

अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दौंरा दे रही है। वहीं, जशन सिंह को पकड़ने के लिए भी टीमें एक्टिव हैं।

सोजत जिले में कार-बाइक की टक्कर में दो की मौत, बाइक सवार 3 वर्षीय बच्चे की जान गई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सोजत

सोजत के चौपड़ा क्षेत्र में स्टेट हाईवे 58 पर शनिवार शाम करीब 4.30 बजे एक इको कार और बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में एक बच्चे सहित दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही शिवपुरा थाना पुलिस की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई। मामले की जानकारी देते हुए शिवपुरा थानाधिकारी उर्जराम ने बताया- रेपड़ावास निवासी रमेश मेघवाल अपनी बहन अंजू को ससुराल लाणरा गांव छोड़ने जा रहे थे। उनके साथ तीन वर्षीय भतीजा भावेश भी था। वहीं, मुसालिया निवासी 65 वर्षीय ढगलाराम प्रजापत, उनकी 17 वर्षीय पोती अनिता और चालक माणक दास वैष्णव इको कार से जोधपुर के मंडोर स्थित देवस्थान से पूजा कर सोजत की ओर लौट रहे थे। चाइवास और धांगड़वास के बीच दोनों वाहन आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि मुसालिया निवासी 65 वर्षीय ढगलाराम कार से उछलकर दूर जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार पलटकर खेत की बाड़ के पास जा गिरी, जबकि बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त



हो गई। हादसे का पता लगते ही स्थानीय लोगों और राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी और एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन गंभीर रूप से घायल तीन वर्षीय भावेश ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बाइक सवार अंजू मेघवाल और इको

कार चालक माणकदास वैष्णव को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाइक चालक रमेश के सिर में गंभीर चोट आई हैं और कार सवार अनिता भी गंभीर रूप से घायल हुई हैं, जिसके चलते उन्हें जोधपुर रेफर किया गया है।

भीलवाड़ा में बीच बाजार बवाल

कांग्रेस नेता पर दिनदहाड़े बदमाशों ने किया जानलेवा हमला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

राजस्थान में भीलवाड़ा शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में व्यस्तम इलाके में हैरान करने वाला घटनाक्रम हुआ। यहां शनिवार शाम हलेंडे ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच और कांग्रेस नेता पर हथियारों से लेस दो अज्ञात बदमाशों ने तलवार और सरिये से जानलेवा हमला किया। सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायल कांग्रेस नेता को महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उनका उपचार जारी है घायल हरफूल जाट ने फायर के भी आरोप लगाए हैं, जिसकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। भीलवाड़ा कोतवाली थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह



नरुका ने कहा कि थाना क्षेत्र के सरकारी

दरवाजे के पास शनिवार शाम 7.00 बजे यह

के साथ हुई थी। शादी से पहले ही उसके ससुराल वाले धर्म परिवर्तन कर चुके थे। मगर उन्होंने ये बात छिपाई। बेटी के जन्म तक कर्मदीप के साथ उसका रिश्ता अच्छा चल रहा था। डिलीवरी के लिए कर्मदीप पीहर चली गई। वहीं बेटी का जन्म हुआ। राजविंद सिंह ने बताया- 1 दिसंबर 2024 को उसकी बेटी का जन्म हुआ। कुछ दिन बाद ससुराल के लोगों ने बताया कि 25 दिसंबर को बेटी का नामकरण किया जाएगा। इस पर वह अपनी ससुराल पहुंचा। 25 दिसंबर को क्रिसमस के दिन उसकी बेटी का नामकरण किया जा रहा था। इस दौरान पास्टर सुखदेव सिंह भी वहां मौजूद था। पास्टर सुखदेव सिंह ने धार्मिक किताब में देखकर बेटी का नाम रहमत रखना चाहा और बेटी के गले में क्रॉस की आकृति का ताबीज भी पहना दिया। इस पर वह अपनी ससुराल कि उसके ससुराल वाले धर्म परिवर्तित कर चुके हैं। अब उसकी बेटी को भी ईसाई बनाया जा रहा है। सुखदेव ने उसकी बेटी को गुनगुने पानी के टब में स्नान कराया और कुछ मंत्र पढ़े। इसके बाद राजविंद सिंह ने विरोध करते हुए बेटी के गले में पहनाया हुआ ताबीज निकालकर फेंक

दिया। राजविंद सिंह ने बताया- पास्टर सुखदेव सिंह, पास्टर चरणजीत सिंह, सास गुरदेव कौर और उसका साला मर्दाना सिंह उसके परिवार पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बना रहे हैं। सभी उसे चंडीगढ़ के एक पास्टर बलजिंद सिंह के पास ले जाना चाहते हैं। पास्टर सुखदेव सिंह उसकी पत्नी कर्मदीप कौर को फोन पर कहता था कि यदि तुम ईसाई धर्म स्वीकार करते हो तो तुम्हारे पति की रोंबेज में नौकरी पक्की हो जाएगी। तुम्हारी सास के घुटने भी ठीक हो जाएंगे। इस कारण मेरी पत्नी उनके प्रलोभन और लालच के बहकावे में आकर हमें चर्च जाने के लिए कहती थी। राजविंद सिंह ने बताया-9 अक्टूबर 2025 को उसकी सास गुरदेव कौर उसके घर आईं उस समय घर पर वह, उसकी पत्नी, उसके पिता पाल सिंह और मां पलविंद कौर मौजूद थे। इसके अलावा कुछ पड़ोसी भी घर पर मौजूद थे। उसकी सास ने घर पर आते ही उसे धर्म परिवर्तन करने के लिए उसके साथ चंडीगढ़ चलने के लिए कहा। मगर उसने धर्मांतरण के लिए साफ-साफ मना कर दिया, क्योंकि वह सिख धर्म को मानने वाला है। जिससे उसकी सास आक्रोशित हो गईं।

पाली में नाकाबंदी तोड़ तस्कर भागे, गाड़ी में मिला 45 किलो डोडा-पोस्ट



वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पाली

पाली पुलिस की नाकाबंदी देखकर तस्करों ने पकड़े जाने के डर से नाकाबंदी तोड़ी और गाड़ी दौड़ा दी। पुलिस ने पीछा किया तो पकड़े जाने के डर से बीच रास्ते कार छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें 45 किलो 670 ग्राम डोडा पोस्ट मिला। कार और डोडा-पोस्ट जब्त कर पुलिस ने फरार आरोपियों की तलाश शुरू की। एसपी आदर्श सिंधु ने बताया कि शिवपुरा थाना पुलिस ने 10 अक्टूबर को नाकाबंदी की और स्टेट हाईवे नया गांव के निकट वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। यह देख क्रेटा कार में सवार युवकों ने नाकाबंदी तोड़ी और अबकाई ढाणी की तरफ गाड़ी दौड़ा दी। शिवपुरा थानाप्रभारी उरजाराम और उनकी टीम ने कार का पीछा किया तो रास्ते में कार मिली। तलाशी में कार में 45 किलो 670 ग्राम डोडा-पोस्ट मिला, जिसे पुलिस ने जब्त किया और फरार तस्करों की तलाश में जुटी है।

विदेश घुमाने का झांसा देकर 2 साल तक किया रेप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पाली

पाली में नाबालिग से रेप के आरोपी को कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाई है। 23 साल के पड़ोसी ने नाबालिग को विदेश घुमाने का झांसा देकर 2 साल तक रेप किया। 17 साल की किशोरी को कभी बुर्का तो कभी ताबीज पहनने को देता था। मना करने पर मारपीट करता था। शादी करने का झांसा देकर धर्म परिवर्तन का दबाव भी बनाया। अत्याचार से परेशान होकर बच्ची ने रोते हुए मां को पूरी बताई। परिजनों ने युवक के खिलाफ थाने ने मामला दर्ज करवाया। इसके बाद कोर्ट में करीब 6 महीने केस चला। मामला रानी थाना इलाके का है। 10 अक्टूबर को पाली के पॉक्सो कोर्ट संख्या 3 के जज निहालचंद ने सजा सुनाई। पीड़िता के वकील पदम सिंह केसरिया ने बताया- रानी थाने में 31 मार्च 2025 को 17 साल की नाबालिग के परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। जिसमें आरोप लगाया कि उनके पड़ोस में रहने वाले 23 साल के युवक ने उनकी नाबालिग बेटी को शादी कर अरब देश घुमाने का झांसा देकर फंसाया। मार्च 2023 से मार्च 2025 तक कई बार अकेली देखकर रेप किया। परिजनों ने रिपोर्ट में बताया कि युवक उनकी नाबालिग बेटी को धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाता था। कभी बुर्का पहनने को कहता तो कभी ताबीज पहनने को कहता। जब उनकी बेटी इसका विरोध करती तो आरोपी उससे मारपीट करता। जिससे वह काफी परेशान रहने लगी। 13 मार्च 2025 को भी आरोपी ने उसे अपने घर बुलाकर उसके साथ जबर्दस्ती की थी। परिवारी की ओर से कोर्ट में पैरवी विशिष्ठ लोक अभियोजक कुलदीपसिंह सोनिगरा और पदमसिंह केसरिया ने की। परिजनों ने बताया कि उनकी बेटी गुमसुम रहने लगी। इस पर 25 मार्च 2025 को उसकी मां ने प्यार से पूछा तो रोते हुए सारी कहानी बताई। यह सुनकर मां के होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत अपने पति को सारी बात बताई। इसके बाद परिजन थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद अज्ञात हमलावरों की तलाश के लिए विभिन्न टीमों का गठन किया गया है। जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मौके पर मौजूद दुकानदार वैभव काबरा ने बताया कि हलेंडे गांव के पूर्व सरपंच हरफूल जाट अपनी एक्टिव पर बाजार की ओर आ रहे थे। इसी दौरान सरकारी दरवाजे के पास से 2 लोग उनके पीछे भागते हुए आए। दोनों में से एक युवक ने गमछे में तलवार को छिपा रखा था। दोनों ने हरफूल पर हमला कर दिया। इसी दौरान हरफूल सरकारी दरवाजे पर स्थित अस्पताल पहुंचे और पुलिस के सामने जल्द उनकी किराना स्टोर के सामने गिर पड़े। दोनों हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग की। इधर, भीलवाड़ा एसपी धर्मेन्द्र सिंह ने कहा है कि

बरेली बवाल: मौलाना तौकीर रजा के इन करीबियों पर साजिश रचने का आरोप, सभी 10 मुकदमों में बढ़े नाम

वाॉइस ऑफ़ प्रतिज्ञा बरेली

बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल से संबंधित सभी 10 मुकदमों में डॉ. नफ़ीस, नदीम, मुनीर इदरीशी, पार्थद अनीस, हिस्ट्रीशीटर नायाब उर्फ मुन्ना, अफजाल बेग, मौलाना तौकीर रजा को शरण देने वाले फरहत का नाम बतौर साजिशकर्ता शामिल किया गया है। इनको षड्यंत्र रचने की धारा 61 का भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस के मुताबिक, शहर को दंगे की आग में झाँकने के लिए मौलाना तौकीर के साथ मिलकर इन सबने साजिश रची थी। मौलाना का नाम पहले ही सभी 10 मुकदमों में साजिशकर्ता के तौर पर शामिल किया जा चुका है। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर के बुलावे पर जुटी भीड़ ने 26 सितंबर को पुलिस टीम पर पथराव व फायरिंग की थी। मौके से पेट्रोल से भरी बोतलें, तमंचे बरामद हुए थे। इस घटनाक्रम में 10 मुकदमे दर्ज हुए थे। कोतवाली में दर्ज पहले मुकदमे में मौलाना तौकीर को साजिशकर्ता बनाया गया है। अन्य नौ मामलेों में भी मौलाना का नाम साजिशकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। इस प्रकरण में चक महमूद निवासी फेजल नबी, मोबीन कुरैशी, साजिद सकलैनी, कोतवाली किशोर बाजार निवासी सुभान उर्फ चूनन, डॉ. नफ़ीस का दूसरा बेटा फरहान रजा खां व किला का मोईन खां का नाम सामने आया है। पुलिस ने मुकदमे में इनके नाम खोले हैं। अब इनकी गिरफ्तारी की जाएगी। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि जेल गए आरोपियों का नाम सभी 10 मुकदमों में बतौर साजिशकर्ता शामिल किया गया है। बवाल के कुछ अन्य आरोपियों के नाम प्रकाश में आए हैं। उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल की हकीकत धीरे-धीरे उजागर हो रही है। शुक्रवार को एक सीसी फुटेज सामने आया। वीडियो में उपद्रवियों की भीड़ आकाश हॉटल के पास डीएवी कॉलेज रोड पर पुलिस पर हमला करते हुए घेरकेडिंड को जबरन हटा रही है। दूसरी तरफ खड़े पुलिस टीम लोगों से पर लौटने की अपील कर रही है। इस बीच भीड़ में मौजूद अराजक तत्व हाथों में पोस्टर लेकर भड़काऊ नारेबाजी करते दिख रहे हैं।

ईडी के नोटिस के बाद नहीं हुई विजयन के बेटे से पूछताछ, कांग्रेस ने लगाया भाजपा से सांठगांठ का आरोप

वाॉइस ऑफ़ प्रतिज्ञा तिरुवनंतपुरम

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के बेटे को साल 2023 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नोटिस जारी किया था। जांच एजेंसी ने यह नोटिस लाइफ मिशन परियोजना से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में जारी किया था, लेकिन उनसे अब तक किसी तरह की पूछताछ नहीं की गई, जिस पर अब कांग्रेस ने माकपा और भाजपा को घेरते हुए दोनों दलों के बीच 'सांठगांठ' का आरोप लगाया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विजयन के बेटे को 'गुप्त रूप से' नोटिस जारी किया था, जबकि अन्य मामले खासकर विपक्षी नेताओं से जुड़े मामलों में एजेंसी अपनी कार्रवाई का व्यापक प्रचार करती है। वेणुगोपाल ने कहा, "ऐसे मामलों में ठोस सबूत ना होने पर भी पूछताछ और गिरफ्तारी होती है। शिवसेना नेता संजय राउत और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोहन को गिरफ्तारियों में ऐसा ही देखा गया। शेनानल हेराल्ड मामले (जिसमें कांग्रेस नेता शामिल थे) में भी ऐसा ही हुआ।" उन्होंने आरोप लगाया कि विजयन के बेटे नोटिस मिलने के बावजूद पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। वेणुगोपाल ने पूछा कि, "क्या बाद में उनसे पूछताछ की गई? क्या जांच बंद कर दी गई है या अभी जारी है? ईडी को इन सवालों के जवाब देने चाहिए।" उन्होंने कहा कि माकपा भी इस मामले को गुप्त रखना चाहती थी। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि ईडी की तरह, माकपा ने भी चुप रहना पसंद किया। कर्ना, ये इसे राजनीतिक हमला बताते जैसा कि वे अक्सर करते हैं। ये घटनाएं कई संदेह पैदा करती हैं। वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्नियला ने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे ईडी का समन 'गायब' हो गया। उन्होंने कहा, "हमने पहले कहा था कि भाजपा और माकपा के बीच अपवित्र सांठगांठ के कारण तिरुवनंतपुरम सीना तस्करी और लाइफ मिशन मामले गायब हो जाएंगे। अब यह सच हो गया है।" इधर, सत्तारूढ़ माकपा और मुख्यमंत्री कार्यालय ने अभी तक इस आरोप का जवाब नहीं दिया है। शनिवार को मीडिया के एक हिस्से में आई खबरों में दावा किया गया कि ईडी ने लाइफ मिशन मामले में पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री के बेटे विवेक किरण विजयन को फरवरी 2023 में तबल किया। कॉिच में तत्कालीन ईडी सहायक निदेशक पी के आनंद द्वारा जारी समन में उन्हें 14 फरवरी, 2023 को पेश होने का निर्देश दिया गया था। आपको बता दें कि लाइफ मिशन परियोजना में 2018 केरल बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए यूएई रेड क्रिसेंट द्वारा वित्त पोषित त्रिशूर के वडक्कनचेंरी में अपार्टमेंट का निर्माण शामिल है। आरोप है कि इस परियोजना का डिज्मा संभालने वाली यूनिटेक बिल्डर्स ने राज्य के प्रतिनिधियों सहित विचौलियों को 4.5 करोड़ रुपये का कमीशन दिया। मुख्यमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव एम. शिवशंकर को इस मामले में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

सीएम फडणवीस को संजय राउत का पत्र, चुनाव आयोग की बड़ी बैठक का दिया आमंत्रण

वाॉइस ऑफ़ प्रतिज्ञा मुंबई

महाराष्ट्र में मुंबई नगर निगम सहित स्थानीय निकायों के चुनावों की तारीखों की घोषणा जल्द की सकती है। इससे पहले 14 अक्टूबर को दोपहर 12.30 बजे राज्य के सभी दलों के नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्य चुनाव अधिकारी एस चौकलिंगम से मुलाकात करेंगा। जिसको लेकर अब शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने का आग्रह किया है। इस बैठक में एनसीपी-एसपी नेता शरद पवार, शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे, महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल और मनसे प्रमुख राज ठाकरे समेत शीर्ष नेता शामिल होंगे। जिसे लेकर ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने कहा कि यह राजनीति नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने का प्रयास है। इस संबंध में संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने अनुरोध किया है कि मुख्यमंत्री फडणवीस भी इस सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल हों। सीएम फडणवीस को लिखे अपने पत्र में संजय राउत ने कहा कि मुंबई नगर निगम सहित राज्य में स्थानीय निकायों के चुनावों की तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। इसमें राज्यों की जिला परिषदें, नगर पालिकाएं और महानगर पालिकाएं शामिल हैं। राज्य के प्रमुख राजनीतिक दलों की भूमिका यह है कि इन अत्यंत महत्वपूर्ण चुनावों की प्रणाली और प्रक्रिया के बारे में कोई संदेह ना रहे और चुनाव सविधान के पूर्ण अनुपालन में पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हों। संजय राउत ने पत्र में कहा, "मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप संपत्तिगत रूप से इस प्रतिनिधिमंडल में भाग लें और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की प्रतिष्ठा बढ़ाएं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, सदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, सदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा

पीएम मोदी ने किसानों को दी हजारों करोड़ की सौगात, बोले- पिछली सरकारों ने खेती को उसके हाल पर छोड़ा

वाॉइस ऑफ़ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देश के किसानों को बड़ी सौगात दी। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र के लिए करीब 35,440 करोड़ रुपये की दो अहम योजनाओं की शुरुआत की। इसमें करीब 24 हजार करोड़ रुपये की 'धन धान्य कृषि योजना' की भी शुरुआत की गई। पीएम मोदी ने नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में विशेष कृषि योजना में शिरकत की। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने लोकनायक जयप्रकाश की जयंती के अवसर पर जेपी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री की कृषि क्षेत्र को हजारों करोड़ की सौगात

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत सरकार देश के 100 जिलों में कृषि उत्पादन को बढ़ाने, किसानों को कर्ज देने, सिंचाई और फसलों में विविधता और फसल प्रबंधन को बेहतर करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही पीएम मोदी ने दालों में मामले में देश को

मुझे कोई जल्दी नहीं, मुझे पता है मेरी नियति क्या है, सीएम पद के दावों पर डीके शिवकुमार का बयान

वाॉइस ऑफ़ प्रतिज्ञा बंगलूरु

मुख्यमंत्री पद के दावों पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि उन्हें कोई जल्दी नहीं है और उन्हें अपनी नियति का पता है। शिवकुमार ने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स पर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करके सनसनीखेज बनाने और राजनीति करने का आरोप लगाया। नवंबर में कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार के कार्यकाल के छह साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में फिर से राज्य की राजनीति में सत्ता परिवर्तन की खबरें चर्चा में बनी हुई हैं। शिवकुमार ने कहा, 'कुछ लोगों ने इच्छा जताई कि मैं मुख्यमंत्री बनूं। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या इसका समय नजदीक आ रहा है, बस इतना ही। इसे तोड़-मरोड़कर मीडिया में न दिखाएं कि मैंने कहा था कि (मुख्यमंत्री बनने का) समय नजदीक आ रहा है। मुझे कोई जल्दी नहीं है।' एक कार्यक्रम में मीडिया से बात करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि वह यहां राजनीति करने नहीं आए हैं। उन्होंने कहा 'मैं मीडिया से कह रहा हूं, अगर आप झूठी, सनसनीखेज खबरें फैलाएंगे तो मैं भविष्य में आपका सहयोग नहीं करूंगा। मैं कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करूंगा और न ही आपको फोन करूंगा। मुझे बिना फोन किए राजनीति करना आता है।' शिवकुमार ने कहा, 'मीडिया में कौन दावा कर रहा है कि मैंने कहा है कि मेरे मुख्यमंत्री बनने का

बंगाल में ओडिशा की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, फोन छीना, जंगल ले गए आरोपी, पीड़िता अस्पताल में

वाॉइस ऑफ़ प्रतिज्ञा कोलकाता

पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से सवालों के घेरे में है। अभी कुछ दिन पहले ही भाजपा महिला सांसद पर अज्ञात लोगों ने हमला करते हुए घायल कर दिया था। वहीं अब एक बार फिर बंगाल से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस घटना ने एक बार फिर बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार पश्चिम बर्धमान जिले में ओडिशा की रहने वाली एक मेडिकल कॉलेज छात्रा के साथ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। वारदात शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के पास हुई। बताया जा रहा है कि द्वितीय वर्ष की छात्रा अपनी एक सहेली को सहा रात के खाने के लिए बाहर गई थी। छात्रा के साथ रात के अंधेरे में कॉलेज के पास सुनसान जगह पर दुष्कर्म किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल छात्रा के परिवार के सदस्यों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर जांच शुरु कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि



आत्मनिर्भर बनाने के लिए छह वर्षीय मिशन योजना की भी शुरुआत की। यह योजना 11,440 करोड़ रुपये की है। करीब 3,650 करोड़ रुपये की लागत से कृषि आधारभूत ढांचा फंड योजना की शुरुआत की गई है। पशुपालन के लिए 17 विभिन्न प्रोजेक्ट्स के लिए करीब 1166 करोड़ रुपये भी जारी किए गए हैं। पीएम मोदी ने मतस्य पालन योजना के लिए भी करीब 693 करोड़ रुपये मंजूर किए

हैं। फूड प्रोसेसिंग उद्योग को बढ़ावा देने के लिए करीब 800 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सरकार किसानों के बीच प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय करने के लिए भी योजना चला रही है। विशेष कृषि कार्यक्रम में हिस्सा लेने से पीएम मोदी ने विभिन्न किसानों से मुलाकात की और उनसे कृषि क्षेत्र की चुनौतियों और इस क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों पर चर्चा की।



समय नजदीक आ रहा है? मैंने ऐसा कब कहा है?' शिवकुमार ने कहा, 'ऐसा कहने की कोई जरूरत नहीं है। मुझे पता है कि मेरी नियति कब और क्या है। मुझे पता है कि ईश्वर ने मुझे क्या अवसर दिया है और वह मुझे कब अवसर देंगे। मैं अपने राज्य के लोगों की सेवा करना चाहता हूं और बंगलूरु के लोगों को अच्छा प्रशासन देना चाहता हूं। इसी इरादे से मैं सुबह से शाम तक काम कर रहा हूं।' कांग्रेस नेता ने नाराजगी जताते हुए कहा, 'अगर कोई झूठी बातें फैला रहा है, तो मुझे आपके (मीडिया) खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करना होगा, अगर

कोई चैनल गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। मैं पूरी तरह से सचेत हूं।' कर्नाटक में पिछले कुछ समय से ऐसी अटकलें हैं कि इस साल के अंत में मुख्यमंत्री का चेहरा बदला जा सकता है। जिसमें डीके शिवकुमार, सिद्धारमैया की जगह लेकर मुख्यमंत्री बन सकते हैं। हालांकि सिद्धारमैया दोहराते रहे हैं कि वह पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। मई 2023 में जब कर्नाटक में कांग्रेस सरकार सत्ता में आई तो उस वक्त सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच सीएम पद को लेकर कड़ी टक्कर थी।

पिछली सरकारों ने किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया

कृषि योजनाओं के लॉन्च के बाद अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, 'आज 11 अक्टूबर का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज भारत माता के दो महान रत्नों की जयंती है जिन्होंने इतिहास रचा। भारत रत्न जयप्रकाश नारायण और भारत रत्न नानाजी देशमुख, ये दोनों महान सपूत ग्रामीण भारत की आवाज थे, लोकतांत्रिक क्रांति के अग्रदूत थे। वे किसानों और गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित थे। आज इस ऐतिहासिक दिन पर देश की आत्मनिर्भरता और किसानों के कल्याण के लिए दो महत्वपूर्ण नई योजनाओं का शुभारंभ किया जा रहा है।' उन्होंने कहा 'खेती और किसानों हमेशा से हमारी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। यह जरूरी है कि सरकार बदलते समय के साथ कृषि और खेती को समर्थन देती रहे। दुर्भाग्य से, पिछली सरकारों ने कृषि को अपने हाल पर छोड़ दिया। सरकार के पास कृषि के लिए कोई दूरदर्शिता या दृष्टिकोण का अभाव था, जिसके कारण भारत की कृषि प्रणाली लगातार कमजोर होती गई। हमने कृषि के प्रति पिछली सरकारों के लापरवाह रवैये को बदल दिया है।' पीएम मोदी ने कहा कि 'आज दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का भी शुभारंभ हुई है। यह केवल दलहन उत्पादन बढ़ाने का मिशन नहीं है, बल्कि हमारी भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने का भी मिशन है। हाल के वर्षों में, भारतीय किसानों ने रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन हासिल किया है। आज देश बड़ी मात्रा में दालों का आयात करता है, इसलिए दलहन आत्मनिर्भरता मिशन आवश्यक है।'

जिनपिंग के साथ बैठक रह करने की बात से पलटे ट्रंप, चीन के नए निर्यात प्रतिबंधों को बताया 'चौंकाने वाला'

वाॉइस ऑफ़ प्रतिज्ञा वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिंगपिंग के साथ मुलाकात रह करने वाले बयान पर स्पष्टीकरण जारी किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी हालिया टिप्पणी, जिसमें उन्होंने "शी जिनपिंग से मिलने का कोई कारण नहीं" होने की बात कही थी, अब उस बयान पर सफाई दी है। ट्रंप ने कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रस्तावित बैठक आधिकारिक तौर पर रह नहीं की है। चीन पर बोलेते हुए ट्रंप ने क्वाइट हाउस में मीडिया से कहा, "नहीं, मैंने रह नहीं किया है। हालांकि, मुझे यकीन नहीं है कि हम इसे हासिल कर पाएंगे या नहीं। मैं वहां जरूर जाऊंगा। मुझे लगता है कि हम इसे प्राप्त कर पाएंगे। हालांकि, उन्होंने दुनिया को एक झटका दिया। यह चौंकाने वाला था। अचानक, उन्होंने आयात-निर्यात की यह पूरी अवधारणा बना दी, और किसी को इसके बारे में कुछ भी पता नहीं था।" इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि बीजिंग ने दुर्लभ मृदा तत्वों पर व्यापक नए निर्यात नियंत्रण लगाकर 'बेहद शूत्राणुएं' कदम उठाए जाने के बाद चीनी राष्ट्रपति से "मुलाकात करने का कोई कारण नहीं" है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि चीन ने दुर्लभ पृथ्वी तत्वों पर निर्यात नियंत्रण बढ़ाया है, जो एक अत्यंत आक्रामक रुख है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि अमेरिका कड़े जवाबी उपायों के साथ जवाब देने की तैयारी कर रहा है। दुर्लभ मृदा और उससे जुड़ी तकनीकों के निर्यात पर बीजिंग के लगाए जा रहे प्रतिबंधों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन के खिलाफ नए व्यापार उपायों का एलान किया। ट्रंप ने चीनी वस्तुओं पर 100 फीसदी टैरिफ की घोषणा की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने घोषणा की है कि अमेरिका चीनी वस्तुओं पर "उनके द्वारा वर्तमान में चुकाए जा रहे किसी भी टैरिफ के अतिरिक्त" 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा, जो 1 नवंबर, 2025 से प्रभावी होगा।

इंडिगो फ्लाइट का लैंडिंग से पहले दरका विंडशील्ड, 76 यात्री थे सवार; अकासा एयर के विमान से टकराया पक्षी

वाॉइस ऑफ़ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के विमान की चेन्नई हवाई अड्डे पर लैंडिंग से पहले बड़ी घटना होते-होते बची। मदुरै से चेन्नई आ रही इंडिगो फ्लाइट के विंडशील्ड में दरार आ गई। जानकारी के अनुसार विमान के कॉकपिट ग्लास में आई दरार पर लैंडिंग से ठीक पहले पायलट को नजर पड़ी, जिसके बाद पायलट ने तुरंत इसकी सूचना हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को दी। दरअसल, शनिवार को इंडिगो विमान 76 यात्रियों को लेकर मदुरै से चेन्नई आ रही थी। इस दौरान चेन्नई एयरपोर्ट पर उतरने से पहले पायलट की नजर विंडशील्ड में आई दरार पर पड़ी।पायलट ने आगे के शीशे में दरार देखी और फौरन हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को सूचित किया। जिसके बाद एयरपोर्ट पर व्यवस्था की गई और विमान सुरक्षित रूप से उतर गया। एयरपोर्ट पर उतरने के बाद विमान को पार्किंग के लिए एक अलग वे (बै नंबर 95) में ले जाया गया और बाद में यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार दिया गया। इसके बाद विंडशील्ड बदलने की व्यवस्था को गई। हालांकि विंडशील्ड पर दरार कैसे आई, इसके कारणों का फिलहाल पता नहीं चला पाया है। दूसरी तरफ इस घटना के बाद मदुरै के लिए उड़ान की वापसी यात्रा को रह कर दिया गया।

